सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भारत-पाकिस्तान मैच में कायम रही 'हृश' की परंपरा, पेज: 7

सोशल मीडिया पर सब सच नहीं होता पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 307 | सोमवार 16 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अमित शाह का राहुल गांधी पर बड़ा हमला, बोले- व्यापार समझौतों पर फैला रहे हैं भ्रम

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर देश के किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का बचाव किया और कहा कि इन समझौतों से भारत के मछुआरों को काफी लाभ होगा। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि रायबरेली के प्रधानमंत्री ने इन व्यापार समझौतों के किसानों पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में झूठे दावे फैलाए हैं। कराइकल में एक जनसभा में शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूरोपीय संघ और इंग्लैंड के साथ हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते से हमारे देश के मछुआरों को बहुत लाभ होने वाला है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पर राहुल गांधी का हमला तेज, बोले- मोदी सरकार कर रही किसानों से 'विश्वासघात'

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के ढांचे को लेकर केंद्र सरकार पर अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि इस समझौते के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। एक पोस्ट में गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका से डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स (डीडीजी) फसलों के आयात का मतलब पूछा। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह होगा कि भारतीय पशुओं को आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा, और सवाल उठाया कि क्या इससे भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर हो

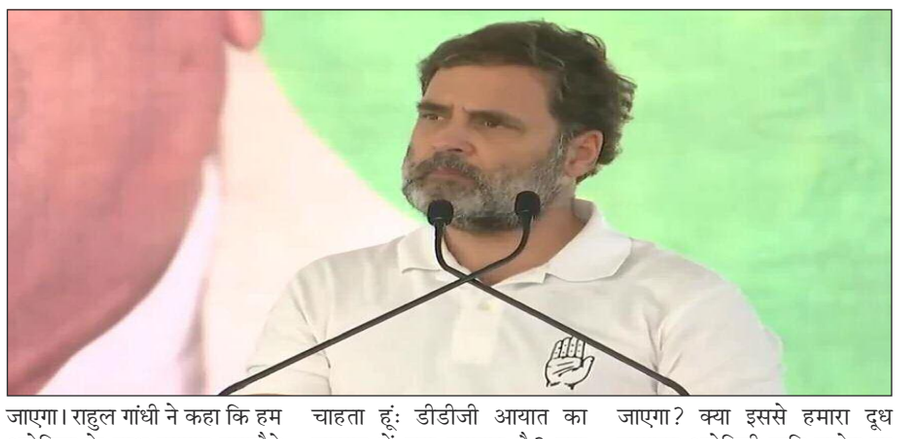

जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि हम अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के नाम पर भारत के किसानों के साथ विश्वासघात देख रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री से कुछ सीधे सवाल पूछना चाहता हूं: डीडीजी आयात का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय पशुओं को जीएम अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा? क्या इससे हमारा दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएगा? कांग्रेस सांसद ने आगे इस बात पर जोर दिया कि अगर अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति दी जाती है, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पूरे देश के भारतीय सोयाबीन किसानों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? उन्होंने अतिरिक्त उत्पाद शब्द का अर्थ भी स्पष्ट करते हुए पूछा कि क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ भारत पर दालों और अन्य फसलों के बाजारों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा? राहुल गांधी ने कहा कि अगर हम आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पूरे देश के हमारे सोयाबीन किसानों का क्या होगा? वे एक और मूल्य वृद्धि का सामना कैसे करेंगे? जब आप 'अतिरिक्त उत्पाद' कहते हैं, तो वास्तव में इसमें क्या शामिल है? क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ दालों और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा? गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत पर आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर अपना रुख नरम करने का कोई दबाव पड़ेगा, और कहा कि भारतीय किसानों को इन सवालों के स्पष्ट जवाब पाने का अधिकार है।

उन्होंने चिंता जताई कि इससे भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि पर

राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को किसानों के साथ विश्वासघात बताते हुए केंद्र सरकार की आलोचना की है, जिसमें अमेरिकी जीएम मक्का आधारित डीडीजी और सोयाबीन तेल के आयात पर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने चिंता जताई कि इससे भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि पर निर्भर हो सकता है और घरेलू किसानों को भारी नुकसान होगा।

योगी पर अखिलेश का 'भ्रष्ट मुँह' वाला तंज, बोले- सीएम खिलाड़ी तो हैं पर खेल नहीं पा रहे

लखनऊ एजेंसी: समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों पर तीखा हमला बोला। यह हमला तब हुआ जब उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमउद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद औपचारिक रूप से समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए यादव ने सीएम शब्द का नया अर्थ दिया और कहा, आजकल सीएम का मतलब भ्रष्ट मुंह भी होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री एक खिलाड़ी तो हैं, लेकिन खेल नहीं पा रहे हैं। अखिलेश यादव ने आगे कहा कि

दिल्ली और लखनऊ दोनों का राजनीतिक माहौल खराब है और दोनों स्तरों पर शासन की विफलता का आरोप लगाया। यादव ने कुछ नेताओं पर शंकराचार्य का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हमारे पूज्य शंकराचार्य का अपमान कर रहे हैं। भगवा वस्त्र धारण करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को हम आदर की दृष्टि से देखते हैं, लेकिन ये लोग किस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं? जब भी ये मुंह खोलते हैं, बुराई ही करते हैं। उन्होंने प्रशासनिक माध्यमों से दूसरों से प्रमाण पत्र मांगने वालों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि जो लोग दूसरों के प्रमाण पत्र मांग रहे हैं, उनके अपने प्रमाण पत्र कहां हैं? रक्षा खरीद से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए यादव ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर हम करोड़ों रुपये के राफेल विमान खरीद रहे हैं, तो मेक इन इंडिया का क्या हुआ? उन्होंने केंद्र सरकार के आर्थिक बयानों में विरोधाभास का आरोप लगाया। उन्होंने एपस्टीन मामलों जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर टिप्पणी करने से भी इनकार कर दिया और कहा कि उनका ध्यान घरेलू मुद्दों पर केंद्रित है। सपा प्रमुख ने भाजपा पर मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप लगाते हुए दावा किया कि पंचायत चुनावों में देरी का यही कारण है।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में भारी घोटाला हुआ है। यहां तक कि जिन लोगों ने अंगूठे के निशान से हस्ताक्षर किए हैं, उनके भी फॉर्म-7 में कथित तौर पर हस्ताक्षर जोड़ दिए गए हैं।

ढाका में तारिक रहमान की ताजपोशी, शपथ समारोह में पीएम मोदी की जगह जाएंगे ओम बिरला

नई दिल्ली एजेंसी: बांग्लादेश में हुए ऐतिहासिक चुनावों के बाद अब सत्ता हस्तांतरण की तैयारी पूरी हो चुकी है। आगामी 17 फरवरी को ढाका में आयोजित होने वाले नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शिरकत करेंगे। पीएम मोदी की जगह ओम बिरला क्यों? बांग्लादेश सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस समारोह के लिए विशेष निमंत्रण भेजा था। हालांकि, पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण पीएम मोदी का ढाका जाना संभव नहीं हो पा रहा है। 17 फरवरी को मुंबई में प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होनी है। ऐसे में भारत ने अपने लोकतंत्र के

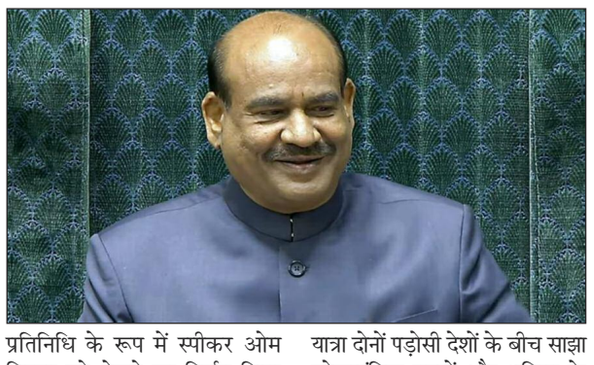

प्रतिनिधि के रूप में स्पीकर ओम बिरला को भेजने का निर्णय लिया है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत लोकतांत्रिक संबंधों का प्रतीक है। भारत सरकार ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'समारोह में ओम बिरला की मौजूदगी यह दर्शाती है कि नई दिल्ली, ढाका के साथ अपने रिश्तों को कितना महत्व देती है। यह यात्रा दोनों पड़ोसी देशों के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और भविष्य के सहयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है।' बीएनपी की ऐतिहासिक वापसी लगभग दो दशकों के लंबे इंतजार के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने सत्ता में जोरदार वापसी की है। साल 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद हुए इन पहले राष्ट्रीय चुनावों में बीएनपी ने संसद की 297 सीटों में से 209 सीटों पर जीत दर्ज की है। जमात-ए-इस्लामी 68 सीटें जीतकर दूसरे बड़े दल के रूप में उभरी। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। इस चुनाव में कुल 59.44% वोटिंग दर्ज की गई। क्षेत्रीय नेताओं का जमावड़ा तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में दक्षिण एशिया के कई बड़े नेता शामिल होंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भी ढाका पहुँचने की उम्मीद है। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने भारत और पाकिस्तान के अलावा चीन, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, मलेशिया और श्रीलंका सहित कुल 13 देशों को आमंत्रित किया है।

भारत मंडपम में एआई का सबसे बड़ा दिखाओ, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, 13 देशों की रहेगी नजर

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 फरवरी को राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन करेंगे। इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का आयोजन 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ किया जाएगा और इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक उपयोग को प्रदर्शित करने वाले एक राष्ट्रीय मंच के रूप में देखा जा रहा है, जो नीति, नवाचार और व्यापक कार्यान्वयन को एक ही मंच पर लाएगा। यह एक्सपो 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा और इसमें वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां, स्टार्टअप, अकादमिक संस्थान, अनुसंधान संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतर्राष्ट्रीय भागीदार भाग लेंगे। ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड,

सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और अफ्रीकी देशों की भागीदारी सहित तेरह देशों के पवेलियन एआई पारिस्थितिकी तंत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रदर्शित करेंगे। 300 से अधिक क्यूरेटेड प्रदर्शनी पवेलियन और लाइव प्रदर्शन तीन विषयगत "चक्रों" - लोग, ग्रह और प्रगति - के अंतर्गत आयोजित किए जाएंगे, जो विभिन्न क्षेत्रों में एआई के व्यापक प्रभाव को दर्शाते हैं। 600 से अधिक उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप भाग लेने के लिए तैयार हैं, जिनमें से कई वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक और व्यापक एआई समाधान विकसित कर रहे हैं जो पहले से ही वास्तविक दुनिया में उपयोग में हैं।

एक्सपो में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित 25 लाख से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है और इसका उद्देश्य एआई पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर वैश्विक साझेदारी और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, इस आयोजन के दौरान 3,250 से अधिक वक्ताओं और पैनलिस्टों के साथ 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

इंडिगो फ्लाइट में लिपस्टिक से लिखी बम की धमकी, कोलकाता में इमरजेंसी लैंडिंग से मचा हड़कंप

नई दिल्ली एजेंसी: डिब्रूगढ़ से कोलकाता जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट को आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी, क्योंकि विमान के शौचालय में लिपस्टिक से बम की धमकी लिखी हुई मिली थी। एक बार फिर सुरक्षा संबंधी चिंता की यह घटना शिलांग जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट के शहर के हवाई अड्डे पर बम की धमकी के बाद रोके जाने के कुछ ही घंटों बाद सामने आई है, हालांकि बाद में यह धमकी झूठी निकली। अधिकारियों ने बताया कि इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ए 6894 कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शाम 7:37 बजे सुरक्षित उतरी और मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत उसे तुरंत एक अलग स्थान पर ले जाया गया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से उतार लिया गया। लैंडिंग के बाद की जांच के दौरान, विमान के शौचालय के अंदर लिपस्टिक से लिखा हुआ एक संदेश मिला, जो बम की धमकी का संकेत दे रहा था। बयान में आगे कहा गया है कि सुरक्षा एजेंसियों को सूचित कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कोलकाता हवाई अड्डे पर एक ही दिन में दूसरी बार बम की धमकी इससे पहले, शिलांग जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम की धमकी मिलने के बाद करीब चार घंटे तक फंसी रही। अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट 6ए 7304 के विमान में बम रखे जाने का दावा करने वाला एक हस्तलिखित नोट मिलने के बाद उसे आइसोलेशन बे में ले जाया गया।

ये कैसी जिंदगी है? दिल्ली के खराब एक्यूआई पर सीएम योगी का सवाल, यूपी के स्वच्छ वातावरण का किया जिक्र

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता की तुलना गैस चैंबर से की और जोर देकर कहा कि उत्तर प्रदेश के लोग स्वच्छ वातावरण का आनंद ले रहे हैं और सभी विकास कार्यों के बावजूद उनका दम नहीं घुट रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि आदित्यनाथ गोरखपुर के जंगल कौरिया में पुनर्निर्मित ब्लॉक विकास अधिकारी कार्यालय के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौतियों में से एक पर्यावरण का क्षरण है। उन्होंने समझाया कि यहां का पर्यावरण काफी अच्छा है; कोई प्रदूषण नहीं है। प्रदूषण न होने पर बीमारियां कम होती हैं। प्रदूषण होने पर फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। अगर हमारे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होती है, तो पूरा शरीर प्रभावित होता है। उन्होंने दिल्ली की

वायु गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा, दिल्ली की हालत देखिए? ऐसा लगता है जैसे गैस चैंबर में हों। स्थिति बेहद खराब है; सांस लेना मुश्किल है और आंखों में जलन हो रही है। डॉक्टर अस्थमा के मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों को घर के अंदर रहने की सलाह दे रहे हैं। ये कैसी जिंदगी है? उन्होंने चेतावनी दी कि पर्यावरण में किसी भी तरह की गड़बड़ी से ऐसी ही परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। आदित्यनाथ ने आगे कहा, हम यहां भाग्यशाली हैं; हमारे यहां विकास तो है लेकिन दम घोंटने वाला वातावरण नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों से पता चला है कि शनिवार सुबह 9 बजे दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में थी, जिसका वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 211 था। सीपीसीबी ने आगे कहा कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बहुत खराब' और 401 से 500 को 'गंभीर' माना जाता है।

कामाख्या कॉरिडोर को उच्च न्यायालय से हरी झंडी, सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बोले- जल्द शुरू होगा काम

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वित्त पोषित कामाख्या कॉरिडोर परियोजना, जो लंबे समय से अटकी हुई थी, गुवाहाटी उच्च न्यायालय से मंजूरी मिलने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सरमा ने कामाख्या कॉरिडोर परियोजना में हुई देरी का कारण बताया, जो पिछले दो वर्षों से गुवाहाटी उच्च न्यायालय में लंबित थी। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वित्त पोषित कामाख्या कॉरिडोर परियोजना पिछले दो वर्षों से गुवाहाटी उच्च न्यायालय में लंबित थी। उच्च न्यायालय ने आईआईटी गुवाहाटी और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान को इस परियोजना के कामाख्या के पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करने का आदेश दिया है। उन्होंने आगे कहा कि आईआईटी गुवाहाटी और राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान ने रिपोर्ट दी है कि इस परियोजना का कामाख्या पारिस्थितिकी तंत्र से कोई संबंध नहीं है। इसके बाद हमें कामाख्या कॉरिडोर का निर्माण कार्य शुरू करना होगा। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज में 2,200 करोड़ रुपये की एक परियोजना शुरू हो चुकी है। डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज में लगभग 600

करोड़ रुपये की एक अन्य परियोजना का प्रस्ताव कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है। हमें जो दो ट्यूबों वाली पानी के नीचे की सुरंग मिल रही है, वह भारत की पहली रेल-सह-सड़क सुरंग है। शुक्रवार को गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार को गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ियों में प्रस्तावित मां कामाख्या मंदिर पहुंच कॉरिडोर परियोजना को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी। अदालत ने शुक्रवार को इस मामले से संबंधित एक जनहित याचिका और एक रिट याचिका का भी निपटारा किया। जनहित याचिका (12/2024) कॉरिडोर के प्रस्तावित निर्माण पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग को लेकर दायर की गई थी। नवज्योति शर्मा द्वारा दायर एक अन्य रिट याचिका [डब्लूपी(सी) संख्या 2700/ 2024 में राज्य द्वारा दिनांक 27 नवंबर, 2023 को जारी एनआईटी के माध्यम से शुरू की गई निविदा प्रक्रिया को चुनौती दी गई है, जिसमें प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 और असम प्राचीन स्मारक और अभिलेख अधिनियम, 1959 के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। याचिकाकताओं ने तर्क दिया कि परियोजना से माँ कामाख्या मंदिर परिसर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और धार्मिक अनुष्ठानों में बाधा उत्पन्न हो सकती है, जिससे अपवित्रता की आशंका है। अदालत ने कहा कि बहस के दौरान, असम के माननीय अधिवक्ता जनरल डी. सैकिया ने इस न्यायालय को मौखिक और लिखित रूप से आश्वासन दिया था कि संबंधित सभी अधिकारियों से, जिनमें गुवाहाटी स्थित आईआईटी की शोध एवं विश्लेषणात्मक रिपोर्ट और परियोजना के क्रियान्वयन में आने वाले जलवैज्ञानिक प्रभावों से संबंधित एक अन्य शोध संस्था की रिपोर्ट शामिल है, सभी मंजूरी प्राप्त होने तक कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाएगा।

गुवाहाटी उच्च न्यायालय से कानूनी बाधाएं दूर होने के बाद असम में बहुप्रतीक्षित कामाख्या कॉरिडोर परियोजना का निर्माण कार्य जल्द शुरू होगा। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने पुष्टि की कि आईआईटी गुवाहाटी की रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने मंजूरी दी, जिसमें परियोजना से पारिस्थितिकी तंत्र पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़ने की बात कही गई है।

संपादकीय

गुमशुदाओं की तलाश

पिछले दिनों दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से लोगों की गुमशुदगी की घटनाओं ने नीति-नियंताओं व अदालतों समेत पूरे देश का ध्यान खींचा। इस मामले में संज्ञान लेते हुए देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस बात की जांच करने के निर्देश दिए कि देश के विभिन्न इलाकों में बच्चों की लगातार लापता होने की घटनाओं में कहीं किसी देशव्यापी गिरोहों का हाथ तो नहीं है? संकट कितना बड़ा है यह इस बात से पता चलता है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में सारे देश से करीब आठ लाख लोग लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांशतः बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल रही हैं। जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि राज्यवार कितने लोग वापस लौटे हैं और कितने लोग अभी भी गायब हैं। निश्चित रूप से इस संकट से निपटने के लिए एकीकृत राज्यवार ब्योरा उपलब्ध कराने की जरूरत है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि ने सुप्रीम कोर्ट में इस बात को स्वीकार किया है कि राज्यों से लापता बच्चों और उनसे जुड़े अभियोजन के अंतिम आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, यह पहली बार नहीं है कि शीर्ष अदालत ने लापता बच्चों के आंकड़े जुटाने को कहा हो। कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में भी केंद्र सरकार से लापता बच्चों से जुड़े पिछले छह साल के देशव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा था। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत राज्य के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके प्रामाणिक जानकारी जुटाने को कहा था। इतना ही नहीं, गुमशुदा बच्चों की तलाश के मामले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए गए थे। इस दिशा में अपेक्षित प्रगति का न होना हमारे तंत्र की व्यवस्थागत कमियों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से सारे देश से यदि लाखों लोगों के लापता होने के आंकड़े सामने आ रहे हैं, तो बहुत संभव है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा होगा।

चिंतन-मनन

उत्तम शरण है धर्म

धर्म के बारे में भिन्न-भिन्न अवधारणाएं हैं। कुछ जीवन के लिए धर्म की अनिवार्यता को स्वीकार करते हैं। कुछ लोगों का अभिमत है कि धर्म ढकोसला है। वह आदमी को पंगु बनाता है और रूढ़ धारणाओं के घेरे में बंदी बना लेता है। शायद इन्हीं अवधारणाओं के आधार पर किसी ने धर्म को अमृत बताया और किसी ने अफीम की गोली। ये दो विरोधी तत्व हैं। इन दोनों ही तथ्यों में सत्यांश हो सकता है, यह अनेकांतवादी चिंतन का फलित है। धर्म की अनिवार्यता स्वीकार करने वालों के लिए धर्म है अंधकार से प्रकाश की यात्रा। आलोक आदमी के भीतर है। उसे पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। आलोक तक वही पहुंच सकता है, जो अंतमरुखी होता है। अंतमरुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतमरुखता प्रकाश है और बहिर्मुखता अंधकार है। अंतर्मुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतर्मुखता आचार है और बहिमरुखता अतिचार है। जो व्यक्ति जितना भीतर झांकता है, उतना ही धर्म के निकट होता है।

धर्म को मानने वाले वे प्रबुद्ध लोग हैं जिन्होंने पूजा और उपासना को ही धर्म मान लिया। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धर्म-स्थानों में जाने वाले व्यक्तियों के हर आचरण को धर्म समझ लिया। धार्मिक क्रियाकांडों तक जिनकी पहुंच सीमित हो गई और धार्मिकों की दोहरी जीवनपद्धति को देखकर जो उलझ गए। भगवान महावीर अपने युग के सफल धर्म-प्रवर्तक थे। धर्म को जानने या पाने के लिए उन्हें किसी परंपरा का अनुगमन नहीं करना पड़ा। उन्होंने उस समय धर्म के द्विविध रुप का निरूपण किया। उनकी दृष्टि में धर्म का एक रूप अमृतोपम था तो दूसरा प्राणलेवा जहर जैसा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

नारी ही परिवार की खुशी, राष्ट्र का गौरव और सुख की धुरी है

सुनील कुमार महला

स्त्री की गरिमा और उसका सम्मान भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रहे हैं। हमारे यहां नारी को शक्ति, करुणा और सृजन का प्रतीक माना गया है तथा शास्त्रों में कहा गया है-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता। यहां पाठकों को बताता चलूं कि यह प्रसिद्ध संस्कृत वचन मनुस्मृति से लिया गया है, जिसका अर्थ है कि जहां नारी का सम्मान और आदर होता है, वहां देवताओं का वास होता है। वास्तव में, यह कथन भारतीय संस्कृति में स्त्री के उच्च और पूजनीय स्थान को दशार्ता है। नारी को शक्ति, करुणा, त्याग और सृजन की प्रतीक माना गया है। सच तो यह है कि परिवार और समाज की असली आधारशिला नारी ही होती है और जिस समाज में महिलाओं को समान अधिकार, शिक्षा और सुरक्षा मिलती है, वह समाज और देश प्रगति और समृद्धि की ओर अग्रसर होता है। इसके विपरीत, जहां नारी का अपमान होता है, वहां अशांति और पतन का वातावरण बनता है। इसलिए नारी सम्मान केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक आवश्यकता भी है।इतिहास में रानी लक्ष्मीबाई, सरोजिनी नायडू और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महान महिलाओं ने साहस, नेतृत्व और त्याग का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। परिवार और समाज के निर्माण में स्त्री की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है; वह मां, बहन, पत्नी और बेटी के रूप में जीवन को संवेदना, संतुलन और संस्कार प्रदान करती है। आज के आधुनिक युग में महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल और प्रशासन सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। इसलिए आवश्यक है कि स्त्री का सम्मान केवल परंपरा या शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार, सोच और सामाजिक व्यवस्था में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे, तभी हमारा समाज सच्चे अर्थों में उन्नत और सभ्य बन सकेगा। बहरहाल, स्त्रियों की गरिमा व सम्मान के क्रम में हाल ही में जैस्मीन सैंडलस ने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान एक बड़ा और साहसी कदम उठाया। जब कुछ लोग वहां मौजूद लड़कियों और महिलाओं को परेशान कर रहे थे, तो उन्होंने गाना बीच में ही रोक दिया। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि जैस्मीन सैंडलस एक प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी पंजाबी गायिका और गीतकार हैं, जिन्होंने अपने अलग अंदाज और दमदार आवाज से संगीत जगत में खास पहचान बनाई है। उनका जन्म 4 सितंबर 1985 को पंजाब के जालंधर में हुआ और बाद में वह अमेरिका के कैलिफोर्निया में पली-बढ़ीं। उन्होंने 2007 में अपने करियर की शुरूआत की और पंजाबी म्यूज़िक इंडस्ट्री में तेजी से लोकप्रिय हुईं। बॉलीवुड में उन्हें बड़ी पहचान फिल्म किक के गीत यार ना मिले से मिली। उनके गानों में पॉप, आर एंड बी और पंजाबी फोक का मिश्रण देखने को मिलता है। जैस्मीन न सिर्फ गायिका हैं बल्कि अपने कई गीत स्वयं लिखती भी हैं, और अपनी बेबाक शैली व ऊजार्वान स्टेज परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं।जैस्मीन सैंडलस ने संगीत कार्यक्रम के दौरान यह बात साफतौर पर कहीं कि जब तक महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, वह मंच पर नहीं गाएंगी। वास्तव में,यह घटना बताती है कि आज भी सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं को अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है। घर से बाहर निकलते ही उन्हें अपनी सुरक्षा की चिंता रहती है। दुख की बात यह है कि ऐसे मामलों में कई लोग सब कुछ देखकर भी चुप रहते हैं।आज आए दिन मीडिया की सुर्खियों में यह खबरें हमें पढ़ने को मिलतीं रहतीं हैं कि विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को आज अभद्र टिप्पणियों, घूरने, छेड़छाड़ और उत्पीड़न जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बस, ट्रेन, बाजार, दफ्तर या यहां तक कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास भी वे असुरक्षा की भावना से घिरी रहती हैं। कहना गलत नहीं होगा कि घर से बाहर कदम रखते ही उन्हें अपने कपड़ों, समय और रास्तों तक के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेना पड़ता है। वास्तव में,यह स्थिति केवल कानून व्यवस्था की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की समस्या भी है। जब तक महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और संवेदनशीलता की भावना समाज में मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल सख्त कानून भी पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाएंगे। परिवार, विद्यालय और समाज सभी को मिलकर ऐसी मानसिकता विकसित करनी होगी, जिसमें महिला को स्वतंत्र और सुरक्षित नागरिक के रूप में स्वीकार किया जाए। वास्तव में, सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बनाना सरकार, प्रशासन और हम सभी नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। सीसीटीवी, हेल्पलाइन, त्वरित कार्रवाई जैसे उपाय जरूरी हैं, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार। जब महिलाएं बिना भय के स्वतंत्र रूप से बाहर निकल सकेंगी, तभी समाज वास्तव में प्रगतिशील कहलाएगा। हाल फिलहाल, जैस्मीन सैंडलस का यह कदम सिर्फ एक कार्यक्रम रोकना नहीं था, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मसम्मान के लिए खड़ा होना था। उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी भी हालत में महिलाओं के साथ बदसलूकी बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। कहना गलत नहीं होगा कि उनका यह साहस पूरे समाज के लिए एक सीख है। अंत में यही कहूंगा कि, जैसा कि हमारी संस्कृति में कहा गया है कि -शोचन्ति जामयो यत्र विनश्यत्याशु तत्कुलम-न शोचन्ति च यत्रैता वर्धते तद्धि सर्वदा।। तात्पर्य यह है कि जहाँ परिवार की स्त्रियाँ दुखी रहती हैं, वह कुल शीघ्र नष्ट हो जाता है, और जहाँ वे प्रसन्न रहती हैं, वह परिवार सदैव उन्नति करता है। वास्तव में नारी ही परिवार की खुशी, राष्ट्र का गौरव और सुख की धुरी है, इसलिए उन्हें सदैव सम्मान मिलना चाहिए।

कोचिंग संस्कृति और बच्चों की मौतें: सफलता के नाम पर असफल समाज

डॉ. प्रियंका सौरभ

कोटा में एक और छात्रा की आत्महत्या–यह कोई साधारण खबर नहीं है और न ही किसी एक परिवार की निजी त्रासदी भर। यह उस शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक मानसिकता और तथाकथित 'सफलता मॉडल' पर गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे हमने पिछले दो दशकों में बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति का सुसाइड नोट केवल व्यक्तिगत पीड़ा का दस्तावेज नहीं है, बल्कि वह एक आरोपपत्र की तरह हमारे पूरे समाज के सामने खड़ा होता है–माता-पिता, कोचिंग संस्थान, स्कूल और नीति-निमार्ता सभी इसके दायरे में आते हैं।

कृति ने अपने सुसाइड नोट में भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से अपील की थी कि अगर वे सच में चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे, तो कोचिंग संस्थानों को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये संस्थान छात्रों को भीतर से खोखला कर देते हैं। यह कथन किसी क्षणिक आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि उस लंबे मानसिक उत्पीड़न की अभिव्यक्ति थी, जिसे आज लाखों छात्र रोज झेल रहे हैं। असली सवाल यह नहीं है कि कृति ने ऐसा क्यों लिखा, बल्कि यह है कि क्या वह गलत थी।

आज भारत में कोचिंग शिक्षा का सहायक माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि एक विशाल और मुनाफे पर आधारित उद्योग बन चुकी है। कोटा, सीकर, हैदराबाद, दिल्ली और पटना जैसे शहर 'एजुकेशन हब' कहलाते हैं, जहाँ हर साल लाखों किशोर अपने माता-पिता के सपनों का बोझ उठाए पहुँचते हैं। इन सपनों के केंद्र में कुछ सीमित शब्द होते हैं–आईआईटी, एम्स, नीट, रैंक और सेलेक्शन। कोचिंग संस्थान बच्चों को यह यकीन दिलाते हैं कि यदि वे चयनित नहीं हुए, तो वे असफल हैं। सफलता की यह परिभाषा इतनी संकीर्ण है कि उसमें औसत छात्र के लिए कोई जगह नहीं बचती, और असफलता से उबरने की कोई मानवीय प्रक्रिया भी नहीं होती।

कृति का यह कथन कि '90+ अंक लाने वाली लड़की भी आत्महत्या कर सकती है' हमारे उस भ्रम को तोड़ता है, जिसमें हम यह मान लेते हैं कि मानसिक संकट केवल कमजोर या असफल छात्रों तक सीमित है। यह सोच न सिर्फ.गलत है, बल्कि खतरनाक भी है। आज का दबाव केवल परीक्षा पास करने या अच्छे अंक लाने का नहीं रह गया है, बल्कि माता-पिता, शिक्षकों और समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का बन गया है। हर बच्चा अपने भीतर एक काल्पनिक 'परफेक्ट स्टूडेंट' की छवि ढो रहा है, जिससे वह लगातार हारता चला जाता है। ऊँचे अंक और बेहतर प्रदर्शन भी अब मानसिक शांति की गारंटी नहीं रहे, क्योंकि समस्या पढ़ाई की नहीं, बल्कि उस माहौल की है जिसमें पढ़ाई कराई जा रही है।

कृति द्वारा अपनी माँ के लिए लिखी गई पंक्तियाँ इस पूरे संकट की जड़ को उजागर करती हैं। वह बताती है कि उसे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उसकी वास्तविक रुचि अंग्रेजी साहित्य और इतिहास में थी। यह कहानी किसी एक घर तक सीमित नहीं है। यह देश के हजारों, बल्कि लाखों घरों की सच्चाई है, जहाँ बच्चे की रुचि से ज्यादा समाज की अपेक्षा मायने रखती है। माता-पिता अक्सर यह भूल जाते हैं कि बच्चा उनकी अधूरी महत्वाकांक्षाओं का विस्तार नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। सामाजिक तुलना–कि फलाँ का बेटा डॉक्टर बन गया या फलाँ की बेटी आईआईटी में पहुँच गई–हमें इतना अंधा कर देती है कि हम बच्चों की इच्छाओं, क्षमताओं और सीमाओं को अनदेखा कर देते हैं।

कृति ने अपनी छोटी बहन को लेकर जो चेतावनी दी, वह इस सुसाइड नोट को और भी मार्मिक बना देती है। वह चाहती है कि उसकी बहन को वही पढ़ने दिया जाए, जो वह पढ़ना चाहती है, और वही बनने दिया जाए, जो वह बनना चाहती है। यह विडंबना है कि मरते समय भी वह किसी और की ज़िंदगी बचाने की कोशिश कर रही थी। यह चेतावनी केवल एक माँ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है, जो बच्चों को सुनने के बजाय उन पर अपने सपने थोपता है।

आज के स्कूल और कोचिंग संस्थान बच्चों को गणित के सूत्र, रसायन के समीकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीतियाँ तो सिखा रहे हैं, लेकिन जीवन के सबसे जरूरी पाठ सिखाने में पूरी तरह असफल हो रहे हैं। वे बच्चों को यह नहीं सिखा पा रहे कि असफलता से कैसे निपटना है, मानसिक तनाव को कैसे समझना है और मदद माँगना कमजोरी नहीं है। प्रतिस्पर्धा को प्रेरणा के बजाय भय का औजार बना दिया गया है। रैंक लिस्ट, मॉक टेस्ट और लगातार तुलना बच्चों के मन में स्थायी हीनभावना भर देती है, जिससे वे खुद को केवल अंकों और चयन के चश्मे से देखने लगते हैं।

हर ऐसी मौत के बाद सरकार की ओर से औपचारिक बयान आते हैं, जाँच के आदेश दिए जाते हैं और कुछ दिनों तक बहस चलती है। इसके बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। न कोचिंग संस्थानों के कामकाज पर सख़्त निगरानी होती है, न उनके घंटे सीमित किए जाते हैं, न मानसिक स्वास्थ्य को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाता है। यदि सरकार सच में गंभीर है, तो कोचिंग उद्योग के लिए सख़्त नियमन, छात्रों के लिए सुलभ मानसिक स्वास्थ्य सहायता और स्कूल स्तर पर करियर की विविध संभावनाओं को स्वीकार करने की

ठोस नीति बनानी होगी।

सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हम सफलता को किस रूप में परिभाषित करते हैं। क्या एक अच्छा इंसान बनना, मानसिक रूप से स्वस्थ रहना और अपनी रुचि के क्षेत्र में संतुष्ट जीवन जीना सफलता नहीं है? यदि नहीं, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर रहे हैं जो चयनित तो होगी, लेकिन भीतर से टूटी हुई और असंतुष्ट होगी। कृति की मौत हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि कहीं हम अपने बच्चों को ज़िंदा रहते हुए ही तो नहीं मार रहे–उनकी इच्छाओं को, उनके सपनों को और उनकी स्वतंत्रता को।

कृति का सुसाइड नोट केवल एक छात्रा की अंतिम अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। अगर अब भी हमने नहीं सुना, नहीं समझा और नहीं बदले, तो ऐसी घटनाएँ रुकने वाली नहीं हैं। सवाल यह नहीं है कि अगला बच्चा कौन होगा। असली सवाल यह है कि क्या हम अगले बच्चे को बचा पाएँगे।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

बांग्लादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

ऑन-बोर्ड सेवाओं से लेकर गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों तक भारत के परिवहन परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन - अर्थात सुधारों की पटरी भारतीय रेल नई रप्तार लगाने के लिए तत्पर है...

भारतीय रेल केवल एक परिवहन प्रणाली नहीं है,बल्कि यह भारत की आर्थिक,सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना की धमनियों में प्रवाहित होने वाला जीवन प्रवाह है। ब्रिटिश काल में बिछी रेल पटरियों से लेकर स्वतंत्र भारत के औद्योगिक और सामाजिक पुनर्निर्माण तक,रेल ने देश को जोड़ा,गति दी और एक राष्ट्र की भौगोलिक विविधताओं को एक साझा अनुभव में पिरोया। आज जब भारत 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ 21वीं सदी के तीसरे दशक में आगे बढ़ रहा है,तब भारतीय रेल स्वयं को एक पारंपरिक परिवहन सेवा से बदलकर एक आधुनिक, तकनीक-संचालित,लॉजिस्टिक्स-सक्षम और ग्राहक-केंद्रित परिवहन इकोसिस्टम के रूप में पुनर्परिभाषित कर रही है।

रेल मंत्रालय द्वारा घोषित 'बेहतर ऑन-बोर्ड सेवाएं' और 'गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों के माध्यम से रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स' की रणनीति,भारतीय रेल के इतिहास में एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखी जा सकती है। यह सुधार केवल यात्रियों की सुविधा तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत के लॉजिस्टिक्स सेक्टर,औद्योगिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला,और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाला कदम है। रेल यात्रा अनुभव के संदर्भ में भारतीय रेल लंबे समय से आम नागरिकों की जीवनरेखा रही है,परंतु यात्रियों की अपेक्षाएं समय के साथ बदलती गई हैं। स्वच्छता,आराम,समय बद्धता और सेवा गुणवत्ता अब केवल सुविधा नहीं बल्कि अधिकार के रूप में देखी जाने लगी हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में रेलवे द्वारा सामान्य डिब्बों सहित सभी कोचों में निरंतर सफाई की व्यवस्था लागू करने का निर्णय ऐतिहासिक महत्व रखता है। सामान्य श्रेणी के यात्रियों को अब तक सुविधाओं के मामले में अक्सर उपेक्षित माना जाता रहा है,किंतु वर्तमान सुधारों का केंद्रबिंदु यही वर्ग है,जो भारतीय रेल के सामाजिक लोकतंत्र का प्रतीक है।

रेलवे द्वारा बेहतर लिनन प्रबंधन और कोच सफाई के लिए सेवा प्रदाता की पहचान तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव,भारतीय रेल के डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है। एआई सक्षम निगरानी प्रणाली केवल सफाई की निगरानी तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि यह सेवा गुणवत्ता,शिकायत निवारण और प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए एक डेटा-आधारित प्रणाली के रूप में विकसित हो सकती है।इससे रेलवे प्रशासन के निर्णय अधिक वैज्ञानिक,पारदर्शी और उत्तरदायी बनेंगे। रेलवे सुधारों का दूसरा और अधिक व्यापक आयाम रेल- आधारित

लॉजिस्टिक्स और मल्टी-मॉडल टर्मिनलों के रूप में सामने आया है।वर्तमान में देश में 124 मल्टी- मॉडल टर्मिनल कार्यरत हैं,जिन्हें अब 'कार्गो-प्लस- प्रोसेसिंग हब' के रूप में विकसित करने की योजना है।इसका अर्थ यह है कि रेल टर्मिनल केवल माल लोड और अनलोड करने का स्थान नहीं रहेंगे,बल्कि वे मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग,भंडारण,प्रसंस्करण और वितरण के केंद्र बनेंगे।यह अवधारणा विकसित देशों के लॉजिस्टिक्स मॉडल के अनुरूप है, जहां परिवहन केंद्र आर्थिक गतिविधियों के क्लस्टर के रूप में कार्य करते हैं।इसके अतिरिक्त, 500 से अधिक गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों की योजना भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है। प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत विभिन्न परिवहन माध्यमों–रेल, सड़क, जलमार्ग और वायु मार्ग–के एकीकरण का जो दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है,भारतीय रेल उसमें केंद्रीय भूमिका निभाने जा रही है।रेल-आधारित लॉजिस्टिक्स लागत-कुशल,ऊर्जा-कुशल और पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ है। भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक संरचना वाले देश में, जहां माल परिवहन की लागत सकल घरेलू उत्पाद का महत्वपूर्ण हिस्सा है,रेल आधारित लॉजिस्टिक्स सुधार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में निर्णायक सिद्ध हो सकते हैं।

लॉजिस्टिक्स सुधारों का प्रत्यक्ष प्रभाव कृषि,उद्योग,व्यापार और निर्यात क्षेत्र पर पड़ेगा।कृषि उत्पादों की समयबद्ध ढुलाई,औद्योगिक कच्चे माल की आपूर्ति, तैयार माल का वितरण और ई-कॉमर्स की बढ़ती मांग ऑल इन क्षेत्रों में रेल आधारित कार्गो नेटवर्क एक गेम चेंजर साबित हो सकता है।विशेष रूप से भारत के अंतर्देशीय और दूरस्थ क्षेत्रों में आर्थिक अवसरों का विस्तार होगा,जहां सड़क और अन्य परिवहन साधन सीमित हैं।

भारतीय रेल द्वारा फील्ड लर्निंग और ऑपरेशनल एफिशिएंसी के आधार पर इन सुधारों को पूरे नेटवर्क में लागू करने की योजना, प्रशासनिक परिपक्वता और व्यावहारिक दृष्टिकोण का संकेत है। अक्सर बड़े पैमाने पर लागू की गई योजनाएं जमीनी स्तर पर असफल हो जाती हैं,किंतु चरणबद्ध कार्यान्वयन और फील्ड अनुभव से सीखने की रणनीति नीति निर्माण में आधुनिक शासन मॉडल को दशार्ती है।रेलवे सुधारों का यह अभियान केवल तकनीकी या प्रशासनिक सुधार नहीं है,बल्कि यह एक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का वाहक है।भारतीय रेल लोकतांत्रिक भारत का सबसे बड़ा सार्वजनिक संस्थान है,जहां अमीर और गरीब, शहरी और ग्रामीण,सभी एक ही डिब्बे में यात्रा करते हैं।इसलिए जब सामान्य कोचों की सफाई और सेवा गुणवत्ता को प्राथमिकता दी जाती है,तो यह सामाजिक न्याय और समावेशन की भावना को भी प्रतिबिंबित करता है।डिजिटल निगरानी,एआई आधारित प्रणाली और सेवा प्रदाताओं के माध्यम से सफाई और लिनन प्रबंधन की गुणवत्ता सुधारने का उद्देश्य केवल दृश्य स्वच्छता नहीं,बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और यात्री संतोष को बढ़ाना भी है। स्वच्छता केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि गरिमा और सुरक्षा का प्रश्न है।कोविड-19 महामारी के बाद स्वच्छता और स्वास्थ सुरक्षा के प्रति नागरिकों की संवेदनशीलता बढ़ी है , भारतीय रेल का यह कदम उसी चेतना का परिणाम है।भारतीय रेल द्वारा लॉजिस्टिक्स हब के रूप में टर्मिनलों के विकास से निजी क्षेत्र की भागीदारी और निवेश के नए अवसर भी खुलेंगे।सार्वजनिक- निजी भागीदारी मॉडल के माध्यम से आधुनिक वेयरहाउसिंग,कोल्ड स्टोरेज,प्रोसेसिंग यूनिट्स और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किए जा सकते हैं।इससे रोजगार सृजन,क्षेत्रीय विकास और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। भारत की अर्थव्यवस्था में लॉजिस्टिक्स की लागत लगभग 13-14 प्रतिशत आंकी जाती है, जो विकसित देशों की तुलना में अधिक है। रेल आधारित लॉजिस्टिक्स सुधारों से इस लागत में कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है। यदि यह लक्ष्य सफल होता है,तो भारतीय उत्पाद वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे,निर्यात बढ़ेगा और 'मेक इन इंडिया' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों को ठोस आधार मिलेगा।रेलवे सुधारों का यह अभियान उस व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है,जिसमें भारत अपने बुनियादी ढांचे को आधुनिक,टिकाऊ और डिजिटल बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हाई-स्पीड रेल,समर्पित माल गलियारे, स्टेशन पुनर्विकास, .वंदे भारत ट्रेनें,और डिजिटल टिकटिंग -ये सभी पहलें एक समग्र परिवहन क्रांति की ओर संकेत करती हैं।ऑन-बोर्ड सेवाओं में सुधार और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का विस्तार इस क्रांति के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।इस परिवर्तन की सफलता प्रशासनिक क्षमता,तकनीकी कार्यान्वयन, वित्तीय संसाधनों और नागरिक सहभागिता पर निर्भर करेगी।सेवा प्रदाताओं की पारदर्शी नियुक्ति, एआई सिस्टम की विश्वसनीयता, डेटा सुरक्षा,और जमीनी स्तर पर कर्मचारियों का प्रशिक्षण - ये सभी कारक सुधारों की स्थिरता और प्रभावशीलता को निर्धारित करेंगे।

भारतीय रेल के सुधारों की यह नई एक्सप्रेस केवल पटरियों पर दौड़ती ट्रेन नहीं,बल्कि भारत के विकास पथ पर दौड़ती परिवर्तन की रेलगाड़ी है। यह सुधार भारत के आम नागरिक को बेहतर यात्रा अनुभव, उद्योग को कुशल लॉजिस्टिक्स,और राष्ट्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

जब सामान्य कोच का यात्री स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में यात्रा करेगा,जब किसान का उत्पाद समय पर बाजार पहुंचेगा,जब उद्योग को कच्चा माल सस्ती और तेज गति से मिलेगा,और जब भारत का निर्यात वैश्विक बाजार में नई पहचान बनाएगा - तब यह कहा जा सकेगा कि भारतीय रेल ने केवल पटरियां नहीं बिछाईं,बल्कि विकसित भारत की राह भी प्रशस्त की।भारतीय रेल के इस परिवर्तन कारी अभियान को केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं,बल्कि एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए।यह मिशन भारत की गति, दिशा और नियति को आकार देने वाला है।रेल की सीटी केवल स्टेशन पर आगमन का संकेत नहीं,बल्कि भारत के भविष्य के आगमन की उद्घोषणा है। वही ऑन-बोर्ड सेवाओं से लेकर गतिशक्ति कार्गो टर्मिनलों तक भारत के परिवहन परिदृश्य में ऐतिहासिक परिवर्तन - अर्थात सुधारों की पटरी भारतीय रेल नई रप्तार लगाने के लिए तत्पर है ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा चाकेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर लिया गया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर जनपद अमरोहा में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद द्वारा थाना गजरौला क्षेत्र स्थित चाकेश्वर मंदिर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता, ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल, महिला पुलिस की उपलब्धता, पार्किंग व्यवस्था तथा यातायात प्रबंधन का गहन अवलोकन किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा सर्वोपरि रखते हुए भीड़ प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सतत भ्रमणशील पुलिस बल एवं पीकेट ड्यूटी लगाई जाए। संदिग्ध व्यक्तियों/वस्तुओं पर कड़ी निगरानी रखते हुए सतर्कता बरती जाए तथा सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। महिलाओं, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। जनपद पुलिस द्वारा महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने हेतु समुचित सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। आमजन से अपील की गई है कि प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय पुलिस अथवा डायल 112 पर संपर्क करें।

महाशिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

हर हर महादेव के जयकारों के साथ हुआ शिव जी का जलाभिषेक

अमरोहा (सब का सपना):- देश भर में महाशिवरात्रि का पावन पर्व रविवार को बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। जिले में सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिरों में आस्था की लहर दौड़ रही थी, जहां श्रद्धालुओ ने'हर हर महादेव' के जयकारों के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसी क्रम में अमरोहा शहर के प्रसिद्ध वासुदेव तीर्थ स्थल पर सुबह 4 बजे से ही जलाभिषेक शुरू हो गया था। यहां भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई थी, जो बाबा भोलेनाथ के दर्शन और अभिषेक के लिए उत्सुक दिख रहे थे। वहीं दूसरी तरफ श्रद्धालुओं के द्वारा जलाभिषेक करने के बाद हजारों श्रद्धालु एकत्रित होकर मेले का आनंद लिया। जिला प्रशासन की तरफ से मंदिर परिसर व मेला स्थल पर सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने खुद वासुदेव मंदिर पर मोर्चा संभाला। पुलिस की सतर्क निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच भक्तों ने पूजा-अर्चना की। नगर पालिका ने भी स्वच्छता और सजावट का विशेष ध्यान रखा, जिससे पूरा क्षेत्र जगमग और दिव्य नजर आ रहा था। इस पर्व पर अमरोहा में धार्मिक सद्भाव की भी अनोखी मिसालें देखने को मिली। कांवड़ यात्राओं में विभिन्न समुदायों के लोग शामिल होकर भक्ति भाव से भाग लिया। कुल मिलाकर, अमरोहा में महाशिवरात्रि भक्ति, आस्था और सुरक्षा के साथ हर्षोल्लास से मनाई गई।

महाशिवरात्रि पर चाकेश्वर महादेव मंदिर पर लगा भव्य मेला,शिवालय में कांवड़ियों व भक्तों ने किया जलाभिषेक

जलाभिषेक के लिए भक्तों ने लंबी कतार में घंटों किया इंतजार, मध्य रात्रि से शुरू हुआ जलाभिषेक

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र स्थित चाकेश्वर महादेव मंदिर पर महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन कराया गया। इस दौरान शिव भक्तों एवं कावड़ियों ने मंदिर परिसर में शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया और अपनी मनोकामनाएं पूरी करने के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की। वहीं शिवलिंग पर जल अभिषेक के लिए भक्तों को लंबी कतार में खड़े होकर घंटे तक इंतजार करना पड़ा। उधर मेले की सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर दिखाई दिया। बता दें कि रविवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर क्षेत्र के गांव चाकी खेड़ा स्थित चकेश्वर महादेव भगवान शिव के मंदिर में जलाभिषेक के लिए शनिवार और रविवार की मध्य रात्रि से लोगों की भीड़ की लंबी कतार लगी रही ,इस दौरान शिव भक्तों ने लंबी कतार में घंटों तक खड़े रहकर शिवलिंग पर जलाभिषेक और प्रसाद चढ़ाने का इंतजार किया। रात्रि के समय मंदिर परिसर रंग बिरंगी लाइटों से जगमगाता दिखाई दिया। लंबी कतार में खड़े शिव भक्तों ने पूरे मंदिर प्रांगण को भगवान भोलेनाथ के जयकारों से गूंजायमान बनाए रखा, चारों तरफ बम बम भोले और शंकर भगवान की जय की जयकारें गूंजते दिखाई दिए। इस बारे में मंदिर के महंत लवकुश गिरी ने जानकारी देते हुए कहा कि बड़े बूढ़ों के बताये अनुसार यह शिव मंदिर सौ साल से भी अधिक प्राचीन मंदिर है। पुराने समय में यहां पर घने जंगल हुआ करते थे ,उसी समय यहां खुदाई के दौरान यह शिव की पिंडी धरती के अंदर से निकली थी, तब से ही यहां मंदिर का निर्माण हुआ,इस मंदिर में जो भी भक्त सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाता है उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है ,उन्होंने कहा कि यहां वर्षों से महाशिवरात्री पर विशाल मेले का आयोजन कराया जाता है ,आसपास के कयी गांवों के शिव भक्त यहां महाशिवरात्रि के पर्व पर जलाभिषेक के लिए आते हैं। जिसके चलते इस बार भी यहां शिव मंदिर पर विशाल मेले का आयोजन कराया गया है, मेले की सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से मंदिर समिति द्वारा व प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं जिससे कि मेले में आने वाले किसी भी श्रद्धालु को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े और भगवान भोलेनाथ की कृपा से आगे भी इसी तरह से सुव्यवस्थित मेले का आयोजन कराया जाएगा।

गजरौला में 'एजुकेशन डेवलपमेंट' थीम पर वार्षिक उत्सव का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की औद्योगिक नगरी गजरौला में अल आसिम एजुकेशनल एकेडमी द्वारा एजुकेशन डेवलपमेंट थीम पर एक भव्य वार्षिक समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की प्रतिभा, शैक्षणिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। बता दें कि रविवार को आयोजित इस समारोह में एकेडमी के संस्थापक अध्यक्ष आसिम साबरी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह आधार है, जो समाज और राष्ट्र के विकास की दिशा तय करती है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंडियन कौंसिल ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर के चेयरमैन डॉ. एम.जे. खान तथा अलीगढ़ यूनिवर्सिटी के सीएमओ डॉ. शारिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने एकेडमी की निरंतर प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया।डॉ. खान ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें अत्यंत प्रसन्नता है कि अल आसिम एजुकेशनल एकेडमी दिन-प्रतिदिन नई ऊंचाइयों को छू रही है साथी सोशल वर्कर अलीगढ़ निवासी नदीम राजा ने छात्र एवं छात्राओं के माता-पिता से अपील करते हुए कहा कि सबसे महत्वपूर्ण अगर कोई चीज है तो वह शिक्षा है और मैं सभी से गुजारिश करना चाहता हूं कि शिक्षा को अव्वल नंबर पर रखें और अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाए।

महाशिवरात्रि पर गजरौला के श्री राम मंदिर में महारूद्राभिषेक

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला औद्योगिक नगरी में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भरतिया समूह द्वारा निर्मित भव्य श्री राम मंदिर में महारूद्राभिषेक कर सुखशांति एवं विश्व मंगलकामना की गई। बता दें कि रविवार को नगर के नेशनल हाईवे 9 किनारे मोहल्ला नाईपुरा में स्थित श्री राम मंदिर में महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवलिंग पर महारूद्राभिषेक किया गया। भगवान नंदी की पूजा, श्री राम दरबार की भव्य आरती एवं श्रृंगार भी किया गया। पंडित मोहन मिश्रा एवं गोविंद पांडेय ने पूजा अर्चना संपन्न कराई। यहां जुबिलेंट में यूनिट हेड विनोद झा, रंजना झा, निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, जिला उपभोक्ता फोरम में मजिस्ट्रेट अंजु रानी दीक्षित, एचआर हेड पुनीत तिवारी, रितु तिवारी, सुनील ए सिंह, ऋषिपाल सिंह परमार, आरए शर्मा, दिलीप पांडेय, अशोक राय, परशुराम उपाध्याय, संजय सिंह, राजेश पांडेय, राजीव त्रिपाठी आदि भी मौजूद रहे।

कांवड़ियों के शिविर में मारपीट और पथराव से बबाल, पुलिस ने तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अमरोहा (सब का सपना):- शहर में महाशिवरात्रि से एक दिन पूर्व मोहल्ला छेवड़ा में कांवड़ियों के शिविर के पास हुए विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। घटना शनिवार रात करीब 9 बजे की बताई जा रही है, जब अमरोहा नगर के मोहल्ला छेवड़ा स्थित शिव मंदिर के पास कांवड़ियों का जत्था विश्राम कर रहा था। इसी दौरान कथित तौर पर दूसरे समुदाय के कुछ युवक वहां पहुंचे और कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। मोहल्ला छेवड़ा निवासी अभिषेक सैनी के अनुसार जिन युवकों पर झगड़ा और फसाद का आरोप है, वे काफी दूर के रहने वाले हैं। उनका आरोप है कि कुछ युवक शिविर के पास केक काटकर पार्टी बना रहे थे और धार्मिक टिप्पणियां कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद कथा कथित पत्रकार युवक वीडियो बना रहा था। जिसके बाद वीडियोग्राफी करते देखा मामला भड़क गया। वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंच कर मामले पर काबू पाया। वहीं पुलिस ने कार्यवाही करते हुए तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी अन्य की तलाश की जा रही है।

बहजोई में महाशिवरात्रि के अवसर पर महाकाल की निकाली गई शाही सवारी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बहजोई नगर में शिवझपार्वती सेवा समिति के सौजन्य से महाकाल की शाही सवारी निकाली गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने प्रतिभाग करते हुए महादेव जी की आरती कर शाही सवारी का शुभारंभ किया। शाही सवारी पुराना रामलीला मंच स्थित रघुनाथ जी मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए बहजोई अनाज मंडी स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर पर संपन्न हुई। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू, समिति के अध्यक्ष हनी वार्ष्णेय, कपिल गुप्ता, विकास वार्ष्णेय, ऋषि वार्ष्णेय, कपिल मित्तल, प्रमोद शर्मा, शरद वार्ष्णेय, रेमो राजपूत, रिंकू और पवन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समिति द्वारा इस भव्य आयोजन के माध्यम से भक्तों को महाशिवरात्रि की खुशियाँ साझा करने का अवसर प्रदान किया गया।

जिलाधिकारी ने किया सीएचसी और थाना हसनपुर का वार्षिक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और थाना हसनपुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इसके साथ उनके द्वारा थाना हसनपुर में आयोजित थाना समाधान दिवस में जनसुनवाई करते हुए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर सम्बंधित अधिकारियों को उचित और गुणात्तापरक निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया। जिला अधिकारी ने अस्पताल के निरीक्षण के समय चिकित्सालय की ओ०पी०डी० सेवायें, एन०बी०एस०यू०, आई०पी०डी०, फामेर्सी, टीबी यूनिट, औषधि वितरण कक्ष, एक्स-रे कक्ष, लैब कक्ष, लैबर रूम एवं इमरजेंसी के साथ साथ कोल्ड चैन का भी निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने लैब में मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक जांचें उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मरीजों की जांच रिपोर्ट्स, लैब टेस्ट आदि को उनके आभा आईडी से लिंक किया जाए। संस्थागत प्रसवों की समीक्षा करते हुए संख्या बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया कि स्टाफ नर्स-वार डिलीवरी की मॉनिटरिंग की जाए। टीबी यूनिट के निरीक्षण में उन्होंने प्रतिदिन होने वाली जांचों की संख्या, इलाजरत मरीजों की स्थिति तथा कोर्स पूरा करने वालों की जानकारी ली। निर्देश दिए कि इलाजरत मरीजों से निरंतर संपर्क बनाए रखा जाए। ओपीडी कक्ष में चिकित्सा अधीक्षक से विभिन्न बीमारियों के मरीजों की संख्या तथा दैनिक ओपीडी उपस्थिति की जानकारी ली गई। इस माह होने वाली डिलीवरी के लिए आशा कार्यकताओं एवं एएनएम द्वारा नियमित मॉनिटरिंग, डिलीवरी पहले संपर्क तथा सरकारी अस्पताल में संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। अस्पताल में मौजूद मरीजों एवं उनके तीमारदारों से मिलकर सुविधाओं की जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने अस्पताल में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा थाना हसनपुर में आयोजित थाना समाधान दिवस में जनसुनवाई करते हुए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। समाधान दिवस के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों/शिकायतों का मौके पर ही अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। थाना निरीक्षण के दौरान उन्होने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, अभिलेखों के रख-रखाव, मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर सेल, अपराध रजिस्टर एवं सीसीटीवी कंट्रोल रूम की गहनता से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मिशन शक्ति केन्द्र के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा एवं जागरूकता से जुड़े अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने, साइबर सेल द्वारा साइबर अपराधों के प्रति त्वरित कार्रवाई करने तथा संबंधित कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, थाना स्तर पर भूमि विवादों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक थाने में ग्रामवार भूमि विवाद रजिस्टर तैयार करने तथा नियमित अपडेट करने को कहा गया, ताकि विवादों का शीघ्र निस्तारण संभव हो सके। जिलाधिकारी ने गुंडा एक्ट के अंतर्गत आने वाले मामलों में प्राप्त आदेशों का पूर्ण एवं समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय, पुलिस क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक थाना हसनपुर, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ धुवेन्द्र सिंह, डॉ ब्रह्मानंद शर्मा, डॉ अंजू सिंह, डॉ प्रियंका, डॉ हुमेरा खान एवं मनोज कुमार फार्मेसिस्ट आदि उपस्थित रहे।

फर्नीचर की दुकानों में भीषण आग लगने की घटना ने इलाके में हड़कंप

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के नगर कोतवाली क्षेत्र में बिजनौर रोड पर स्थित फर्नीचर की दुकानों में भीषण आग लगने की घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। रात के समय अचानक लगी इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और सात फर्नीचर दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के लोग भी सकते में आ गए।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या अन्य कोई तकनीकी खराबी माना जा रहा है, हालांकि पुलिस और फायर ब्रिगेड की जांच जारी है। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस टीम के साथ मिलकर दमकलकर्मियों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में सात दुकानों में रखा फर्नीचर, लकड़ी और अन्य सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। इस घटना में लगभग 50 लाख रुपये तक का नुकसान बताया जा रहा है। घटना का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें आग की भीषणता और दमकल टीम की मेहनत साफ दिखाई दे रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई थी, लेकिन सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ।

महाशिवरात्रि पर कांवड़ियों का पुष्पवर्षा से स्वागत, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जनपद में रविवार को आस्था, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। थाना बहजोई क्षेत्रान्तर्गत स्थित पातालेश्वर महादेव मंदिर, सादातबाड़ी में जलाभिषेक हेतु उमड़े श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों की भारी भीड़ के बीच जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। जिलाधिकारी सम्भल राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार ने स्वयं मौके पर पहुंचकर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, पेयजल सुविधा एवं यातायात प्रबंधन का गहन निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा कांवड़ियों और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रशासन की इस पहल से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्क रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा श्रद्धालुओं से विनम्र व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए। सम्भल पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा मार्गों पर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, ट्रैफिक डायवर्जन प्लान तथा आपातकालीन सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा गया है। पुलिस प्रशासन ने कहा कि कांवड़ यात्रा एवं जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुचारु यातायात व्यवस्था और हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक आयोजित चार परिवार हुए एक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के निदेशानुसार संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह-समझौता केंद्र की बैठक शनिवार को पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई।

बैठक नियमित काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत प्रतिसार निरीक्षक की देखरेख में संपन्न हुई, जिसमें पति-पत्नी के मध्य उत्पन्न आपसी विवादों को काउंसलर्स के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। बैठक के दौरान कुल 70 पत्रावलियों की सुनवाई की गई। इनमें से 20 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया, जबकि 4 परिवारों को आपसी सहमति से पुनः मिलाया गया। 13 पत्रावलियां आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद की गईं तथा 3 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल, श्वेता गुप्ता, बबीता शर्मा, एलएचसी रश्मि गहलोत तथा कांस्टेबल शहजाद मालिक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस विभाग द्वारा बताया गया कि परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य पारिवारिक विवादों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में सुलझाकर परिवारों को टूटने से बचाना है।

240वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का किया गया आयोजन

ग्रामीण व नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर हजारों मरीजों का निःशुल्क उपचार,गोल्डन कार्ड भी बने

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में रविवार को 240वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 5 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर किया गया। मेले में 39 चिकित्सकों एवं 130 पैरामेडिकल स्टाफ की टीम ने कुल 2564 रोगियों का निःशुल्क उपचार किया। उपचारित मरीजों में 1267 पुरुष, 892 महिलाएं तथा 405 बच्चे शामिल रहे। आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अंतर्गत 117 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। बुखार, चर्म रोग व दमा के सर्वाधिक मरीज मेले में बुखार के 213, चर्म रोग के 471, दमा के 325, मधुमेह के 104, नेत्र रोग के 32, उच्च रक्तचाप के 75 तथा अन्य विभिन्न रोगों के मरीजों का उपचार किया गया। बुखार से संबंधित 35 मरीजों की मलेरिया जांच एवं 10 मरीजों की डेंगू जांच की गई, जिनकी रिपोर्ट निगेटिव पाई गई। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं चॉइस ऑफ बॉस्केट सामग्री वितरण हेतु अलग काउंटर स्थापित किए गए। जिलाधिकारी के निदेशानुसार जनपद की आशा कार्यकताओं द्वारा सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 173 व्यक्तियों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श दिया गया। आरोग्य मेला सत्रों में आए 50 मरीजों को टेलीमैनस कंसल्टेंसी सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों ने विभिन्न मेला सत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ई-सिम फ्रॉड का खुलासा, साइबर टीम ने 16,900 रुपये कराए वापस

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना बबराला क्षेत्र में ई-सिम कन्वर्जन के नाम पर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित प्रताप पुत्र उपेन्द्र निवासी यारा फर्टिलाइजर, थाना बबराला ने पुलिस को सूचना दी कि उनके मोबाइल पर एक टेक्स्ट मैसेज प्राप्त हुआ, जिसमें सिम को ई-सिम में कन्वर्ट किए जाने की बात कही गई। इसके कुछ ही समय बाद उनके बैंक खाते से कुल 28,350 रुपये कट गए। घटना के बाद प्रताप ने 12 जनवरी को साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। मामले की जांच साइबर सेल थाना बबराला की टीम द्वारा की गई। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई, एएसपी (दक्षिणी) व नोडल साइबर क्राइम अनुकृति शर्मा (आईपीएस), अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह तथा एएसपी/क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक कुमार भाटी (आईपीएस) के कुशल निर्देशन में की गई। जांच के उपरांत साइबर टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित के 16,900 रुपये शनिवार को उसके खाते में वापस करा दिए।

शेष धनराशि की बरामदगी के प्रयास जारी हैं। राशि वापस मिलने पर पीड़ित प्रताप ने साइबर टीम की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए संतोष व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल, मैसेज या लिंक पर विश्वास न करें तथा साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 पर संपर्क करें।

रमजान व होली को लेकर सपा कार्यकताओं की बैठक आयोजित

सेहरी-इफ्तार के समय माइक, साफ-सफाई, बिजली व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग

सम्भल(सब का सपना):- रमजान और होली के पर्व को लेकर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खाँ ने शनिवार को अपने कार्यालय पर बैठक का आयोजन किया। बैठक में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने भाग लिया और रमजान के दौरान सेहरी व इफ्तार के समय माइक एवं लाउडस्पीकर की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग रखी।बैठक को संबोधित करते हुए फिरोज खाँ ने कहा कि रमजान का पवित्र महीना शुरू होने जा रहा है। रोजेदारों को सेहरी और इफ्तार के समय सूचना देने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में माइक और लाउडस्पीकर की आवश्यकता होती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही जिला प्रशासन से मिलकर इस समस्या का समाधान कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि रमजान और होली जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए साफ-सफाई,बिजली आपूर्ति, पेयजल व्यवस्था तथा मस्जिदों और सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। फिरोज खाँ ने प्रशासन से उम्मीद की कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रोजेदारों की सुविधा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते की जाएं।

बैठक में अकील खाँ, जाहिद खाँ, नासिर झुनन, मुस्तकीम, बिलाल, युसुफ, जुबैर, मेहरजान, आमिर हुसैन, बदरूल हसन, आरिफ खाँ, सलीम अली, जान वारिस, अहमद मो शान, मोनिस कुरैशी, बिलाल खाँ, अजमत खाँ सहित अन्य कार्यकर्ता व नागरिक उपस्थित रहे। बैठक का समापन सौहार्द और आपसी भाईचारे के संदेश के साथ हुआ।

पुलिस ने नौ वर्षीय लापता बालक सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन स्माइल के तहत थाना धनारी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 9 वर्षीय लापता बालक को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार को थाना धनारी क्षेत्र में कांवड़ ड्यूटी एवं शांति व्यवस्था के दौरान ग्राम उधरनपुर अजमतनगर से गुजरते समय एक महिला ने पुलिस टीम को सूचना दी कि उसका 9 वर्षीय पुत्र सुबह से लापता है। महिला ने आशंका जताई कि बच्चा किसी डीजे के साथ चला गया है। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी बालक का कोई पता नहीं चल सका था। सूचना मिलते ही धनारी पुलिस टीम ने तत्परता से खोजबीन शुरू की। गहन तलाश के दौरान बालक को ग्राम किशनपुर श्यामपुर के पास नेशनल हाईवे किनारे से सकुशल बरामद कर लिया गया।

इसके उपरांत पुलिस ने बालक को उसकी माता एवं दादा निवासी ग्राम उधरनपुर अजमतनगर के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सदाकत अली,कांस्टेबल यशवंत सिंह,कांस्टेबल कादर खान शामिल रहे।

शेरवुड इंटरनेशनल स्कूल सम्भल में भावनात्मक माहौल के बीच विदाई समारोह

सम्भल(सब का सपना):- शेरवुड इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा उत्तीर्ण कर जीवन की नई दिशा में कदम रखने जा रहे विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, गर्व और भावनाओं से सराबोर रहा। समारोह की मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रबंधक रस अरशी नाज रहीं। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि आज का दिन भावनाओं से भरा हुआ है। एक ओर विद्यालय को अपने विद्यार्थियों पर गर्व है कि वे जीवन की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हें विदा करते समय मन भावुक भी हो उठता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय ने विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि अनुशासन, संस्कार, मित्रता और जीवन के अनमोल पाठ भी सिखाए हैं, जो आगे चलकर उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया। गीत, नृत्य और भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने समारोह को यादगार बना दिया। कार्यक्रम के दौरान कई क्षण ऐसे आए जब छात्र-छात्राएं और शिक्षक भावुक नजर आए। समारोह में विद्यालय स्टाफ की ओर से फराह नाज, रहनुमा, नूर सबा, अरीबा नाज, अदीबा नवाज, मुस्कान पाल, मुस्कान खान, बागीशा रस्तोगी, अलीशा परवीन और सानिया परवीन सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। वहीं विशेष अतिथियों में नजमीन रहमान, गुलनाज परवीन, इल्मानाज, जेबा परवीन, हाजी इकराम और शहदाब आजम सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना और शुभकामनाओं के साथ हुआ। विद्यालय परिवार ने सभी छात्रों के सफल एवं सुनहरे भविष्य की कामना करते हुए उन्हें नई यात्रा के लिए शुभाशीष प्रदान किया।

डीएम-एसपी ने दिखाई मानवता, सड़क हादसे के घायलों को पहुंचाया अस्पताल

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेने निकले जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंशिया एवं पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार ने मानवता का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों की जान बचाने में तत्परता दिखाई। जानकारी के अनुसार थाना बहजोई क्षेत्रान्तर्गत ग्राम खजरा खाकम में भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने सड़क किनारे एक दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को देखा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने तुरंत अपना काफिला रुकवाया। दोनों अधिकारियों ने बिना देर किए अपने एस्कॉर्ट वाहन की सहायता से घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया, ताकि उन्हें शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सके। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। कांवड़ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ आपात स्थितियों में तत्परता से मदद पहुंचाने की इस पहल से प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली सामने आई है। सम्भल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सहायता के साथ-साथ किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत पहुंचाना प्राथमिकता है।

महाशिवरात्रि पर गौवंश आश्रय स्थलों में धूमधाम से हुआ पूजन

संभल (सब का सपना):- महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को सरकार की मंशा के अनुरूप एवं निदेशक, पशुपालन विभाग उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के क्रम में जनपद संभल के सभी अस्थायी गोवंश आश्रय स्थलों में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी गौशालाओं में साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था की गई। गोवंश को रोली-टीका लगाकर, फूल-मालाएं पहनाकर विधि-विधान से पूजन किया गया। साथ ही हरा चारा, चोकर एवं गुड़ खिलाकर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी संभल डॉ. शैलेंद्र सिंह द्वारा कैला देवी अस्थायी गौ आश्रय स्थल पर विशेष रूप से महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में गायों के साथ-साथ नंदी का भी रोली लगाकर पूजन किया गया तथा गुड़ खिलाया गया।

इसी क्रम में जनपद की समस्त गौशालाओं में उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी एवं पशुधन प्रसार अधिकारियों द्वारा गोवंश का पूजन कर उन्हें हरा चारा व चोकर खिलाया गया। पूरे जनपद में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, सेवा और समर्पण के भाव के साथ मनाया गया।

डा. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाईस्कूल में विदाई समारोह का आयोजन

जूनियर छात्रों ने सीनियर्स को दी भावभीनी विदाई बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किए पेश

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- डा. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाईस्कूल पथरा में जूनियर कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा सीनियर छात्रों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम उत्साह, उमंग और भावनाओं से भरपूर रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के संचालक महानंदन गौतम एवं प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। शाजिया ने गोरे तन से सरकता जाए, इशिका ने पैरों में बंधन है किरन आदि ने फॉर्च्यूनर इच्छा ने व्हाट झुमका, शिवी आदि ने ,काली एक्टिवा दा, अंजलि और दीक्षा ने पतली कमर पर तेरी, तथा प्रिया ने ,लांबा लांबा घूंघट,पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। वहीं नगमा ने ,लग जा गले, गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। छात्रों की प्रस्तुतियों पर पूरा सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या आशा गोस्वामी ने सीनियर विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें आगे भी मेहनत और लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण कुमार ने कुशलता पूर्वक किया। इस अवसर पर सत्यपाल सिंह, सतेंद्र सिंह, रंजीत कुमार, अश्वनी शर्मा, शिवगणेश शर्मा, रिनी अग्रवाल, क्षमता, सुशीला, आरती सिंह, आभा रानी, योगेश, रंजीत कौर, वंशिका सक्सेना, काजल, खुशबू, रेशमा, राजकुमारी, अनामिका यादव, शालू, दुर्गेश नंदनी, राजेंद्र वर्मा, अंशुल गुप्ता, आनंद वार्ष्णेय, मोहित शर्मा, प्राची गौतम, हर्ष गौतम, गीता, श्याम सिंह सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विदाई समारोह में जूनियर और सीनियर विद्यार्थियों के बीच भावुक पल भी देखने को मिले, जहां सभी ने एक-दूसरे को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

हरिहर नाथ मंदिर में जलाभिषेक से रोके जाने पर शिव भक्तों का प्रदर्शन

धामपुर/ बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर से संभल स्थित हरिहर नाथ मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे गणेश चौथ समिति के दर्जनों शिव भक्तों को पुलिस ने मार्ग में रोक लिया। पुलिस द्वारा की गई बेरिकेडिंग के बाद श्रद्धालुओं और पुलिस के बीच काफी देर तक नोकझोंक हुई, जिसके चलते मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। जानकारी के अनुसार श्रद्धालु हरिहर नाथ मंदिर में जलाभिषेक के उद्देश्य से जा रहे थे, लेकिन रानी बाग पुलिस चौकी पर प्रभारी मृदुल कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान शिव भक्तों ने नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। समिति के सहसंयोजक संयम जैन ने पुलिस कार्रवाई पर आपत्ति जताते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को मंदिर जाने से रोका जाना अनुचित है। पुलिस ने विजय जैन, संयम जैन सहित अन्य लोगों को चौकी ले जाकर कुछ समय बैठाया। बाद में श्रद्धालुओं द्वारा लाया गया गंगाजल पास के एक मंदिर में चढ़वाया गया। पुलिस ने सभी लोगों को समझाइश देकर जमानत पर छोड़ दिया, जिसके बाद मामला शांत हो गया। विजय जैन ने बताया कि पिछले कई वर्षों से श्रद्धालु हरिहर नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना और जल चढ़ाने की मांग करते आ रहे हैं तथा आगामी सावन में पुनः जलाभिषेक का प्रयास किया जाएगा। संभल जाने वालों में विजय जैन, वीरेंद्र कारीगर, अक्षत रस्तोगी, पुष्पेंद्र सैनी, पवन सैनी, अजय राजपूत, अंकित ठाकुर, यश शर्मा, अन्नू वर्मा, सतेंद्र फलोदी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए और स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

खुशियों के बीच परिवार में छाया मातम

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार रेलवे कर्मचारी की मौके पर मौत

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नूरपुर-मुरादाबाद मार्ग पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को चंद घंटों में मातम में बदल दिया। पूरनपुर नगला के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार रेलवे कर्मचारी आकाश (निवासी गोहावर) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका साथी लक्षित गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देर शाम उस समय हुआ जब दोनों बाइक से गुजर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल लक्षित को उपचार के लिए मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। शादी की खुशियां मातम में बदलीं परिजनों के अनुसार, आकाश ने हादसे से एक दिन पहले ही अपनी इकलौती बहन की शादी संपन्न कर उसे विदा किया था। घर में अभी विवाह की रस्मों की गूंज थी, मेहमानों का आना-जाना जारी था, तभी यह दुखद खबर पहुंची और पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे 11 महीने की मासूम बेटी, पत्नी और बुजुर्ग परिजनों को छोड़ गया है। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी भी उसी के कंधों पर थी। अचानक हुई इस घटना से गांव में शोक की लहर है। पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से हो रहे सड़क हादसों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में भक्तों ने किया जलाभिषेक

बिजनौर (सब का सपना):- शिव मंदिर में शिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव का विशेष श्रृंगार आरती एवं भस्म आरती का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया । मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित जीत भारद्वाज के संयोजन में श्री महाकालेश्वर श्रृंगार दर्शन और आरती के दौरान भक्तों ने शिव मंदिर में आरती गायन कर दर्शन किए। मुख्य यजमान के रूप में मंदिर प्रबंधक देवेद्र चौहान बबीता चौहान, ठाकुर आलोक कुमार (फीना हाउस), वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार डॉ . पंकज भारद्वाज, फैमिली कांउसलर सदस्य शोभा शर्मा ने सपरिवार पूजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर नीरज भारद्वाज, डॉ. नरेन्द्र सिंह, रवि प्रकाश आर्य उज्जवल, अनिकेत, दिव्यांश शर्मा, प्रभात अग्रवाल, संजीव शर्मा, चायना शर्मा, पारतिक शर्मा, भूपेद्र निरंकारी विजय चौधरी सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

दिल्ली के विजय विहार में नाबालिग की चाकू मारकर हत्या, टोपी छीनने को लेकर दोस्त से हुआ था झगड़ा

एजेंसी

बाहरी दिल्ली। विजय विहार थाना क्षेत्र में टोपी छीनने को लेकर दोस्तों से हुए विवाद में 17 वर्षीय किशोर की चाकू गोदकर हत्या मामले में पुलिस ने आरोपित एक किशोर को पकड़ा है। वहीं, दूसरा आरोपित परिवार के साथ फरार चल रहा है। फरार आरोपित को पकड़ने के लिए पुलिस उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है kपुलिस जांच में पता चला कि चाकू लगने से घायल हुए पीड़ित ने दोस्तों की धमकी के डर से परिवार वालों को छत से गिरने और सरिया घुसने की बात कही थी। डॉक्टरों ने पीड़ित के शरीर में चाकू से वार करने की आशंका जताई थी, जिसके बाद पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि हो गई। जिसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

क्या है पूरा मामला?

रोहिणी जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव रंजन ने बताया कि आरोपित किशोर ने पूछताछ में बताया कि वह भी उसी मकान में परिवार के साथ किराये पर रहता है, जिसमें मृतक राहुल (बदला हुआ नाम) भी रहता था। 11 फरवरी को वह राहुल और एक अन्य नाबालिग दोस्त छत पर बातचीत कर रहे थे।

इस दौरान उसने राहुल से उसकी टोपी छीन लिया। टोपी नहीं लौटाने पर राहुल आरोपितों को गाली देने लगा। तब मुख्य आरोपित ने अपने साथ मौजूद दोस्त को राहुल को पकड़ने के लिए कहा। तभी आरोपित ने चाकू से उसके पेट में मार दिया। आरोपित ने बताया कि उसने हर्ष को इलाज करवाने और उसे बचा लेने की आश्वासन दिया और धमकी दी कि वह परिवार वालों को सरिया पर गिरने से चोट लगने की बात कहे। शुरूआती जांच में आरोपित ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, बाद में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से सब साफ हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 11 फरवरी को 2:56 बजे रोहिणी स्थित अंबेडकर अस्पताल से राहुल को गंभीर हालत में भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली। पुलिस अस्पताल पहुंची, जहां पीड़ित बयान देने की हालत में नहीं था। रात करीब 10:50 बजे राहुल ने डर की वजह से डॉक्टर को बताया कि वह अपने घर की छत से लोहे के सरिया पर गिर गया था, लेकिन डॉक्टरों ने पुलिस को चाकू लगने की आशंका जताई। 13 फरवरी को इलाज के दौरान राहुल की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 14 फरवरी को उसके शुरूआती पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि हर्ष पर चाकू से हमला किया गया था। विजय विहार थाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर घटना के समय मौजूद उसके घर में रहने वाले दोस्त से पूछताछ की, जिसमें उसने जूर्म कबूल कर लिया। पुलिस फरार एक अन्य आरोपित का पता लगा रही है।

मनमोहक झांकियों के साथ निकाली गई भव्य शिव बारात

शेरकोट/ बिजनौर (सब का सपना):- महाशिवरात्रि के पर्व पर गत वर्षों की भांति गांव में मनमोहक झांकियों के साथ भव्य शिव बारात निकाली गई।जिसमे युवक शिव भजनों पर थिरकते चल नजर आए।वातावरण पूर्णतया भक्तिमय बना हुआ था। गांव भनोटी में शिव मंदिर कमेटी के तत्वावधान में शनिवार को शिव मंदिर से कड़ी पुलिस व्यवस्था में निकाली गई शिव बारात में शिव परिवार,राधा कृष्ण,राम परिवार आदि की मनमोहक झांकिया बरबस अपनी ओर आकर्षित कर रही थी।

डीजे से निकल रही भक्तिमय धुनों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ था।शिव बारात में शामिल युवा ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते गाते चल रहे थे। बारात का कई जगह ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। शिव बारात अपने परम्परागत रास्तो से होती हुई शिव मंदिर पर सम्पन्न हुई।

पश्चिमी विक्षोभ का नहीं दिखेगा असर, आते-जाते रहेंगे बादल

दिल्ली : दिल्ली में फरवरी में ही गर्मी ने दस्तक दे दी है। आलम यह है कि दोपहर की तेज धूप के कारण लोगों को अभी से पसीने छूटने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 16 फरवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे हिमालयी क्षेत्रों और कुछ मैदानी इलाकों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली में बादलों की आवाजाही रहेगी, लेकिन बारिश नहीं होगी। आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिससे गर्मी और बढ़ने के आसार हैं। शनिवार को आसमान साफ रहा और दिन भर तेज धूप निकली रही। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान अधिकतम तापमान 27 और न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विभाग के अनुसार, रिज में 10.7, आया नगर में 9.5, लोधी रोड में 9.4 और पालम में 10.3 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 17 फरवरी को शाम या रात तक आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। 18 फरवरी को भी हल्के बादल छाए रहेंगे, लेकिन दोनों दिन बारिश नहीं होगी। इसके बाद 19 और 20 फरवरी को आसमान साफ रहेगा। 17 फरवरी को अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जाएगा। 15, 18 और 19 फरवरी को अधिकतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है। दिल्ली में 16 और 20 फरवरी को अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किए जाने का अनुमान है।

आलम यह है कि दोपहर की तेज धूप के कारण लोगों को अभी से पसीने छूटने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 16 फरवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा।

फिर खराब हुई हवा, एक्यूआई 230 दर्ज

दिल्ली में हवा की दिशा बदलने से बयार एक बार फिर खराब हो गई है। ऐसे में शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 230 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। दूसरी ओर, एनसीआर में गुरुग्राम की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 276 दर्ज किया गया, यह हवा की खराब श्रेणी है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, वाहन से होने वाला प्रदूषण 15.16 फीसदी रहा। सीपीसीबी के अनुसार, शनिवार हवा पश्चिम दिशा से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। शाम चार बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 212 और पीएम2.5 की मात्रा 102.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई।

स्योहारा पुलिस ने ट्रक चोरी का किया खुलासा

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा पुलिस ने ट्रक चोरी की घटना का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया ट्रक बरामद करने के साथ ही घटना में प्रयुक्त एक स्कूटी भी जब्त की है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।kपुलिस के अनुसार 26 जनवरी 2026 को मौ. अरशद निवासी इस्लाम नगर, कस्बा व थाना स्योहारा ने तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात चोर उनका ट्रक चोरी कर ले गए हैं। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर फारूख पुत्र झब्बू निवासी सरवरखेड़ा, थाना कुण्डा जनपद ऊधमसिंह नगर (उत्तराखंड) तथा सुल्तान पुत्र रिफायतुल्ला निवासी ढकिया पीरू, थाना डिलारी जनपद मुरादाबाद के नाम प्रकाश में आए। थाना स्योहारा पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी किया गया ट्रक बरामद किया। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी पूर्व में भी कई आपराधिक मामलों में जेल जा चुके हैं। फारूख के विरुद्ध विभिन्न जनपदों में चोरी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट व गैंगस्टर एक्ट समेत अनेक मुकदमे दर्ज हैं, जबकि सुल्तान पर भी लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट व एनडीपीएस एक्ट के मामले दर्ज हैं। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार के नेतृत्व में की गई, जिसमें उपनिरीक्षक संजय कुमार त्यागी, उपनिरीक्षक राजेश कुमार, हेड कांस्टेबल बृजपाल सिंह व कांस्टेबल अमजद शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की भी तलाश की जा रही है।

शादी वाले घर से ताला तोड़कर नगदी सहित लाखों रुपए के आभूषण चोरी

बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर में एक शादी वाले घर से लाखों की चोरी हुई है। अज्ञात चोरों ने घर से सोने-चांदी के आभूषण, नकदी और शादी के लिए खरीदे गए कपड़े सहित लगभग 5 लाख रुपये का सामान चुरा लिया। यह घटना चांदपुर थाना क्षेत्र के गांव स्याऊ में शनिवार-रविवार की रात को हुई। चोरों ने बैठक का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। उन्होंने तीन कमरों को खंगाला और कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घर की मालिक नसीमा ने बताया कि वे शुक्रवार को एक रिश्तेदारी में शादी समारोह में गए हुए थे। इसी दौरान बीती रात चोरों ने उनके घर को निशाना बनाया। सुबह पड़ोसियों ने फोन पर उन्हें चोरी की सूचना दी। घर आकर नसीमा ने देखा कि कमरों का सामान बिखरा पड़ा था। नसीमा के अनुसार, ईद के बाद उनके बच्चों की शादी थी, जिसके लिए सोने-चांदी के आभूषण, लेन-देन के कपड़े और पुराना जेवर खरीदकर रखे गए थे। चोर 20 हजार रुपये की नकदी सहित सारा सामान ले गए। नसीमा ने चोरी से हुए नुकसान की कीमत 5 लाख रुपये आंकी है। उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगर के प्रमुख बर्तन व्यापारी के पुत्र की लखनऊ मे एक्सीडेंट से हुई मौत

लखनऊ मे रहकर एम.बी.बी.एस कर रहा था पढ़ाई

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मुख्य बर्तन व्यापारी के छोटा पुत्र जो लखनऊ में रहकर चिकित्सक की पढ़ाई कर रहा था। बीती रात लखनऊ में अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल से अपने कमरे की और आ रहा था अचानक सामने से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन से टकराने के कारण उसकी मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। जिसकी सूचना तुरंत उसके परिजनों को दी गई घटना का पता चलते ही परिवार में कोहराम मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के प्रमुख बर्तन व्यापारी राजीव अग्रवाल का छोटा पुत्र 23 वर्षीय ध्रुव अग्रवाल बीती रात लगभग 1:00 बजे अपने साथी के साथ अपने रूम पर आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में अज्ञात वाहन की तेज लाइट की वजह से सड़क पर कुछ ना दिखाई देने के कारण वह वाहन से जा टकराया, जिससे उसकी मोके पर ही मौत हो गई। मौके पर इकट्ठा हुए किसी राहगीर ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी और पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के परिजनों को सूचित किया। वहीं पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना पाकर ध्रुव के परिजन उसको लेने के लिए लखनऊ के लिए रवाना हो गए। राजीव अग्रवाल के निज निवास सराफा मार्केट में शोक व्याप्त करने वालों की भारी भीड़ इखट्ठा हो गई।

नागर के गणमान्य लोगो ने शोक संवेदना व्यक्त की। मृतक के शव की अंतिम यात्रा सोमवार सुबह लगभग 8 बजे उसके निज निवास से बैरज गंगा लेजाई जायगी।

रेवाड़ी में आयोजित हिंदू सम्मेलन: आरएसएस की शताब्दी यात्रा पर हुआ विचार-विमर्श

रेवाड़ी: हरियाणा के रेवाड़ी जिले में शिव मंदिर के सामने राम तलाई कुतुबपुर मै भव्य हिन्दू सम्मलेन आयोजन समिति के तत्वावधान में आज एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू एकता को मजबूत करना और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 100 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा पर चर्चा करना था। सम्मेलन में संत श्रद्धांनंद जी महाराज , आरएसएस प्रचारक प्रदीप जी ने ओजस्वी वाणी से सभी को मंत्रमुग्ध किया। इस कार्यक्रम में आरएसएस की स्थापना से लेकर अब तक की उपलब्धियों और समाज में लाए गए पांच प्रमुख परिवर्तनों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया सम्मेलन की शुरूआत वेद मंत्रों के उच्चारण, हवन और राष्ट्रगान से हुई। संत श्रदानंद जी महाराज और ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हिंदू समाज को अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिक चुनौतियों का सामना करना चाहिए। उन्होंने आरएसएस को राष्ट्र निर्माण का मजबूत स्तंभ बताते हुए कहा, "आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और सेवा के माध्यम से लाखों युवाओं को प्रेरित किया है। आज का सम्मेलन इसी यात्रा का एक हिस्सा है, जो हिंदू समाज को एकजुट करने का संदेश देता है।" मुख्य वक्ता श्रीमान प्रदीप जी ने आरएसएस की 100 वर्ष की यात्रा पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि आरएसएस की स्थापना 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा की गई थी, और यह संगठन आज

दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठनों में से एक है। श्रीमती प्रतिभा जी ने आरएसएस द्वारा लाए गए पांच प्रमुख परिवर्तनों पर विशेष जोर दिया। अपने वक्तव्य के दौरान उन्होंने संघ द्वारा प्रतिपादित पञ्च परिवर्तन– सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवन शैली और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता–पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन पाँच परिवर्तनों को व्यवहार में अपनाकर समाज आत्मनिर्भर और सुदृढ़ बन सकता है। आज के समय में प्रत्येक नागरिक को इन विषयों पर आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, "आरएसएस की यह शताब्दी यात्रा सिर्फ एक संगठन की कहानी नहीं, बल्कि पूरे हिंदू समाज की प्रगति की कहानी है। इन पांच परिवर्तनों ने भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज हमें इनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।" उनके भाषण ने श्रोताओं में जोश भर दिया और सभी ने तालियों से उनका स्वागत किया। इस सम्मेलन में विभिन्न वक्ताओं ने हिंदू समाज की वर्तमान चुनौतियों, जैसे धर्मांतरण, सांस्कृतिक आक्रमण और सामाजिक एकता पर भी चर्चा की। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम आरएसएस की शताब्दी समारोह की श्रृंखला का हिस्सा है, जो पूरे देश में चल रहा है। रेवाड़ी जिले में यह सम्मेलन स्थानीय हिंदू संगठनों और आरएसएस शाखाओं के सहयोग से आयोजित किया गया। सम्मेलन में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ ली। कार्यक्रम संयोजक महेश जी ने कहा कि ऐसे सम्मेलनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने मीडिया से अपील की कि इस तरह के कार्यक्रमों को प्रचारित कर हिंदू समाज की एकता को मजबूत किया जाए।

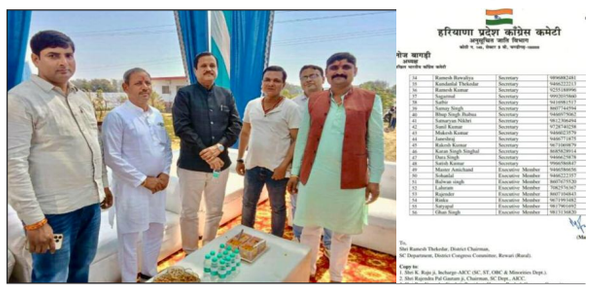

यह सम्मेलन न केवल आरएसएस की उपलब्धियों का उत्सव था, बल्कि मातृ पितृ पूजन के रूप में भी बनाया गया , पूजन और कार्यक्रम की सह संयोजका श्रीमती श्रुति जी ने माता पिता के सम्मान पर जोर दिया.एक मार्गदर्शक भी साबित हुआ। उम्मीद है कि ऐसे आयोजन आगे भी जारी रहेंगे और हिंदू समाज को नई दिशा प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर अमन जी गौ उपचार शाला के सभी सदस्य उपस्थित रहे पारस,,जी संघ से योगेश त्यागी जी उपस्थित रहे. मंच का कुशल संचालन श्रुति जी द्वारा किया गया।

सरस्वती स्कूल द्वारा छात्रवृत्ति परीक्षा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

सफल आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के लगभग 800 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस परीक्षा का उद्देश्य मेधावी एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें आगे की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना था। विद्यालय प्रबंधन द्वारा छात्रों के उत्साह को बढ़ाने के लिए परीक्षा के साथ-साथ एक लकी ड्रा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चयनित विजेता विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से टैबलेट भेंट किए गए, जिससे विद्यार्थियों में अत्यधिक खुशी और उत्साह देखने को मिला। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि इस प्रकार के पुरस्कार विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने और उनकी सीखने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। इसी श्रृंखला में विद्यालय परिसर में एक निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 200 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस शिविर में अनुभवी डॉक्टरों द्वारा रक्तचाप, शुगर, वजन, आंखों की जांच सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए गए तथा आवश्यक परामर्श भी दिया गया। जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्म वीर शर्मा एवं प्रबंधन समिति ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाना है। इस कार्यक्रम की अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा सराहना की गई और विद्यालय के इस प्रयास को शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया गया।

टीट में श्याम भक्तों की सेवा के लिए लगाए गए शिविर का विधायक ने किया शुभारंभ

रेवाड़ी। राष्ट्रीय राजमार्ग नम्बर 11 पर गांव टीट में राव उमराव सिंह फार्म पर श्री श्याम भक्तों की सेवा के लिए लगाए गए शिविर का शुभारंभ बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार ने किया । इस मौके पर जिला भाजपा सचिव दिनेश यादव टीट और शिविर आयोजक समाजसेवी अजीत सिंह टोनी भी मौजूद रहे । शिविर में पहुंचने पर विधायक का आयोजक ओर ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया। पूजा अर्चना उपरांत विधायक डॉ कृष्ण कुमार ने कहा कि श्री श्याम सबके पालनहार है। कलियुग में श्री श्याम की भक्ति और उनका आशीर्वाद हर इंसान को मिलता है। उन्होंने कहा कि महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्री कृष्ण ने बर्बरीक की वीरता ओर भक्ति से प्रसन्न होकर उनको वरदान दिया कि वह कलयुग में श्याम के नाम से पूजे जाएंगे ओर सच्चे मन से उनका नाम लेने वाले की मनोकामना पूरी होगी। इस अवसर पर काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

आधुनिक खेती की नई चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया

हिसार / भारत की अग्रणी टायर निमार्ता कंपनी जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने आज हरियाणा के हिसार में आयोजित कृषि दर्शन एक्सपो 2026 के दौरान अपना नया प्रीमियम फार्म टायर ह्यश्रेष्ठ प्लसह्ण लॉन्च किया। इस नए उत्पाद का अनावरण इस नए उत्पाद का अनावरण राज्यसभा सदस्य, सुभाष बराला ने किया। इस अवसर पर जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के निदेशक झ्र बिक्री एवं विपणन, श्री श्रीनिवासु अल्लाफन तथा कंपनी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह लॉन्च जेके टायर के प्रीमियम फार्म टायर पोर्टफोलियो का विस्तार करता है और आधुनिक कृषि जरूरतों के लिए नवाचार को आगे बढ़ाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस अवसर पर श्री श्रीनिवासु अल्लाफन, निदेशक झ्र बिक्री एवं विपणन, जेके टायर ने कहा, भारतीय कृषि तेजी से मशीनीकरण और उच्च हॉर्सपावर ट्रैक्टरों की ओर बढ़ रही है। प्रीमियमाइजेशन हमारी व्यावसायिक रणनीति का मूल है और हम फार्म सेगमेंट के लिए उन्नत व उच्च प्रदर्शन वाले समाधान लाने पर केंद्रित हैं। श्रेष्ठ प्लस इसी दिशा को दशार्ता है, जो बेहतर ट्रैक्शन, मजबूती और स्थिरता के साथ आधुनिक खेती की बदलती जरूरतों को पूरा करता है। यह उत्पाद किसानों को बेहतर दक्षता, भरोसेमंद प्रदर्शन और विभिन्न कृषि उपयोगों में निरंतर परिणाम देने के लिए डिजाइन किया गया है।

सेक्टर 9-11 में शीशे तोडकर फॉरचुनर चोरी

हिसार / बीती रात सेक्टर 9-11 में मकान के आगे खड़ी फॉरचुनर गाड़ी चोरी हो गई। सेक्टर 9-11 में 25 नम्बर मकान में रहने वाले निशांत पुत्र सतीश गेरा ने अर्बन एस्टेट पुलिस थाना में लिखवाई रिपोर्ट में कहा है कि बीती रात 8 बजे अपने मकान के सामने फॉरचुनर गाड़ी नम्बर एचआर20एएन-0025 लॉक करके खड़ी की थी। सुबह 8 बजे देखा तो गाड़ी गायब थी। गाड़ी के स्थान पर टूटे हुए शीशे मिले। संभवतः अज्ञात व्यक्ति ने शीशे तोडकर गाड़ी चोरी की। निशांत की शिकायत पर अर्बन एस्टेट पुलिस थाना ने 305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

501 पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर मनाई महाशिवरात्रि

हिसार / दिव्य देव स्थानम, सरसौद में फाल्गुन मास की पावन महाशिवरात्रि पर मनोहर लाल ज्ञानी देवी जन कल्याण सोसायटी, सरसौद के संस्थापक सदस्यों एवं ग्रामवासियों द्वारा अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव से 501 पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया गया। यह अनुष्ठान पंडित गणेश शास्त्री के सान्निध्य में विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना, भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक तथा रुद्राभिषेक करके सम्पन्न कराया गया। सोसायटी के प्रधान मदनलाल गोयल ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार एक पार्थिव शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से सौ शिवलिंगों के पूजन के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। उन्होंने यह भी बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार सर्वप्रथम शिवलिंग की पूजा भगवान विष्णु एवं ब्रह्मा द्वारा की गई थी। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच सांवक की खीर तथा फलों का प्रसाद वितरित किया गया। यह दिव्य आयोजन भगवान शिव की आराधना, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण एक विशेष अवसर बना। इस अवसर पर मुख्य रूप से सरपंच सुनीता भयान, प्रदीप भयान, हनुमान गोयल, त्रिलोक गोयल, ललित कुमार गोयल, महावीर गोयल, नवीन गोयल, नितेश गोयल, भावेश गोयल, रोनिश गोयल सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विवेकानंद पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया विदाई समारोह

रेवाड़ी। लाखनौर स्थित विवेकानंद पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इस समारोह में स्कूल के स्टाफ सदस्यों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को कॉलेज लाइफ के बारे में बताते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा अपने विद्यालय से जुड़े रहने के लिए कहा । 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को गिफ्ट तथा मोमेंटो देकर उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। विद्यार्थियों द्वारा मनोरंजन के लिए कुछ गेम्स जैसे बैलून डांस, म्यूज़िकल चेयर, रैम्प वॉक, आदि का भी आयोजन किया गया जिससे सभी में उत्साह भर गया। 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने स्कूल के प्रति अपना लगाव अपने विचारों के माध्यम से प्रकट किया तथा अपने अध्यापकों से जुड़े भावों को व्यक्त किया। इस अवसर पर कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद जी का प्रतिरूप भेंट कर विद्यालय के प्रति अपनी भावनाओं को उजागर किया।12वीं कक्षा के छात्र रवी ने मि॰ फेयरवेल व छात्रा दीपिका ने मिस फेयरवेल का टाईटल हासिल किया। स्कूल के निर्देशक एडवोकेट सुधीर यादव जी ने बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें इसी तरह आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया व बदलते समय में सतर्कता और सावधानी से आगे बढ़ने के लिए कहा तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इसके साथ ही उन्हें हमेशा अनुशासन में रहने के लिए व होने वाली बोर्ड की परीक्षा में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करके नया इतिहास रचकर अपना व अपने विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

भागदौड़ भरी जीवन शैली में स्वास्थ्य का ध्यान रखना आवश्यक- प्रो बीआर काम्बोज

हिसार / चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लेचर भवन परिसर में -साइकिल पर रविवार- कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज के तहत आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने साईकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं साईकिल चलाकर विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को प्रतिदिन साइकिल चलाने के लिए प्रेरित भी किया। कुलपति प्रो काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि फिटनेस की डोज,आधा घंटा रोज को जीवन शैली का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवन शैली में स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है। नियमित रूप से साइकिल चलाना एक सरल, सस्ता और प्रभावी व्यायाम है, जो शरीर और मन को स्वस्थ रखने में सहायक है। नियमित साइकलिंग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाती है, बल्कि मानसिक संतुलन और ऊर्जा स्तर को भी बढ़ाती है। उन्होंने साइकिल चलाने के फायदे बताते हुए कहा कि इससे हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग का खतरा कम होता है। रक्त संचार बेहतर होता है, और हृदय की धड़कन नियंत्रित रूप से बढ़ती है। साइकिल चलाने से कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने और मोटापा कम करने में मदद मिलती है। तनाव भी कम होता है और शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है। कुलपति ने बताया कि साइकिल चलाने से पर्यावरण को संतुलित रखने में मदद मिलती। साइकिल चलाने से ईंधन की बचत, ट्रैफिक जाम में कमी तथा प्रदूषण भी नहीं होता। उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षकों, गैर शिक्षक कर्मचारीयों एवं आम नागरिकों से आह्वान करते हुए कहा कि नियमित व्यायाम एवं स्वस्थ जीवन शैली के लिए साईकिल चलाना चाहिए।

राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल प्रवेश परीक्षा में अव्वल एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

रेवाड़ी। ढालियावास रोड स्थित martyrजी आर अकादमी के छात्राओं ने राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल प्रवेश परीक्षा में अति सराहनीय एवं असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करके एक बार पुनः स्वर्णिम कीर्तिमान स्थापित कर इतिहास रचा। वर्ष 2026- 27 में इस संस्था से 18 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की। उपरोक्त परीक्षा में खैरथल निवासी मुदित ने गणित के पेपर में 50 में से 49 अंक, रेवाड़ी शहर निवासी यसमीत ने 48, तथा रेवाड़ी के जाट भगोला वासी गौरव ने 47 अंक प्राप्त कर विषय विशेष में प्रथम द्वितीय वृत्त स्थान पर रहे। अतः इस प्रकार से अकादमी के गौरवान्वित करने वाले सफल छात्रों में मुदित,मनन,गौरव, वैभव,यशमीत, मायरा, विन्स, प्रतीक , आरव, बनीत ,तनुज, दिशांत

,दक्ष,परीक्षित, महक, अरनव, आर्यन एवं मुकुल शामिल हैं। उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं की उपलब्धियां की सराहना करते हुए प्राचार्य डॉक्टर प्रवीण यादव ने चयनित सभी विद्यार्थियों को प्रमाणक देकर व मेडल पहना कर सम्मानित किया। प्राचार्य महोदय ने बताया कि विद्यार्थियों ने अपने परिश्रम का लोहा मनवाते हुए इस संस्था को उच्चतम शिखर तक पहुंचाया। ऐसा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की निरंतर कठिन मेहनत, कर्तव्य निष्ठा,संपूर्ण भाव एवं प्राचार्य डॉक्टर प्रवीण के उचित व सकारात्मक मार्गदर्शन से संभव हो पाया है।इसके साथ-साथ प्रातः काल अमृतवेला में योग व मेडिटेशन का सतत अभ्यास और इसके अतिरिक्त शिक्षण कक्षाओं के दौरान प्रत्येक क्लास के बाद 2 मिनट के मेडिटेशन अभ्यास ने इस सफलता में नए आयाम जोड़ दिए। शिक्षा के साथ-साथ अध्यात्म ज्ञान, संस्कार एवं विचार शक्ति पर भी इस संस्था में अत्यधिक ध्यान दिया जाता है। इन सब प्रयासों से बच्चे स्व अध्ययन तथा सीखने हेतु प्रेरित होते हैं तथा उच्च आदर्श स्थापित करने में सक्षम बनते हैं।

इसके साथ ही प्राचार्य महोदया ने सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा छात्र-छात्राओं को एक दूसरे से प्रेरित होकर अच्छा व श्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु हौसला अफजाई किया। अंत में सभी विद्यार्थियों को फलाहार व नाश्ता वितरित कर आज के सम्मान समारोह को भारत माता के जयघोष व वंदे मातरम के नारे के साथ समापन किया।

आचार्या मां साक्षी ने साधकों को सोहम ध्यान की साधना करवाई

हिसार / समर्थगुरु धारा संघ के तत्वाधान में आज हिसार संघ द्वारा साप्ताहिक संडे ध्यान सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साधकों ने भाग लिया और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या मां साक्षी द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित साधकों को सोहम ध्यान की गहन साधना करवाई। आचार्या मां साक्षी ने बताया कि सोहम एक प्राचीन आध्यात्मिक मंत्र है, जिसका अर्थ है-मैं वही हूं अर्थात आत्मा और परमात्मा की एकता का अनुभव। सोहम ध्यान श्वास के साथ किया जाने वाला एक सहज और प्रभावशाली ध्यान है। श्वास अंदर लेते समय मन ही मन सो का उच्चारण और श्वास बाहर छोड़ते समय हम का स्मरण। इस प्रक्रिया से साधक का मन वर्तमान क्षण में स्थिर होता है और भीतर की शांति जागृत होती है। आचार्या मां साक्षी ने समझाया कि नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और मानसिक अशांति में कमी आती है तथा आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। कार्यक्रम के अंत में साधकों ने अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि ध्यान के पश्चात उन्हें मानसिक हल्कापन, सकारात्मकता और गहरी शांति का अनुभव हुआ। समर्थगुरु धारा संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य सुभाष ने आचार्या साक्षी का आभार प्रकट किया और बताया कि इस प्रकार के ध्यान सत्र प्रत्येक रविवार को सुबह 7 से 9 बजे तक अपने साधना केंद्र कौशिक नगर में आयोजित किए जाते हैं, जिससे समाज में आध्यात्मिक जागरुकता और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिल सके।

डाबड़ा चौक फ़्लाइओवर के नीचे पेंटिंग व सफाई अभियान चलाया

हिसार। शहर को सुंदर, स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने के प्रयास के तहत हमारा प्यार हिसार की टीम ने नगर निगम के सफाईकर्मियों के साथ मिलकर डाबड़ा चौक फ़्लाइओवर के नीचे पेंटिंग व सफाई अभियान शुरू किया। इस अभियान के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण कर नागरिकों में स्वच्छता, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। आज के कार्यक्रम में सर्वोदय अस्पताल की टीम ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया।

यहाँ के दुकानदारों में अपनी ज़िम्मेदारी का बिल्कुल भी एहसास नहीं था और पूरे क्षेत्र में जगह -2 गंदगी फैली हुई थी। निगम की टीम ने यहाँ से बड़ी मात्रा में कचरा उठाया। आज के अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. एस. के. गर्ग, डॉ. राज वर्मा, राजेंद्र गहलोत, हरीश भाटिया, जितेंद्र सैनी, अदेश मलिक, कमल भाटिया, मंजू पुनिया, जितेंद्र बंसल, मनीष गोयल,

गगन मेहता, सत्येंद्र यादव, संजय मारवाड़ी, दिनेश बंसल, युद्धवीर पान्नु, मंदीप पुनिया, अनिल कुमार, प्रवीण अग्रवाल, अश्विनी, विक्की रौतेला, एलिना मेहता, मोलिक गोयल, रवि, पवन, इन्द्रजीत मेहता, मुकुल, तनवी, इप्सिता, रिमछा, अभिमन्यु, ध्रुव आदि ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

म्हारा हरियाणा दूध दही का खाना- श्याम सिंह राणा

हिसार / सिरसा रोड़ स्थित उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (टीटीसी केंद्र), हिसार में आज दूसरे दिन हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने मेले का रिब्बन काटकर उद्घाटन किया। उनके साथ डॉ. डी पी वत्स पूर्व सांसद राज्यसभा , प्रो. बलदेव राज काम्बोज, कुलपति, एचएयू हिसार व टीटीसी के निदेशक डॉ. मुकेश जैन उपस्थित थे। उन्होनें कृषि प्रदर्शनी में अलग-अलग कम्पनियों के ट्रैक्टर का उद्घाटन किया और कृषि प्रदर्शनी का भ्रमण किया। उन्होनें अपने सम्बोधन में कहा कि सुबह से लेकर रात के खाने तक जो कुछ भी हमें चाहिए वो हमारा किसान अपनी जमीन में उगाता है। आज के किसान को नई तकनीकों को अपनाना चाहिए और अपनी आय के नए-नए स्त्रोत खोलने चाहिए। उन्होनें कहा कि म्हारा हरियाणा दूध दही का खाना से मशहुर है

वीकेंड पर सूरजकुंड आत्मनिर्भर शिल्प मेले में उमड़ा सैलाब

शिल्प महोत्सव में आने वाले पर्यटक खरीदारी के साथ सुविधाओं को लेकर शासन प्रशासन की जमकर कर रहे सराहना

सूरजकुंड सूरजकुंड में पिछले कई दिनों से चल रहे अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले में शनिवार को वीकेंड के अवसर पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिली। देश-विदेश से आए आगंतुकों ने जमकर खरीदारी की और मेले की जीवंतता को और बढ़ा दिया। मेले में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर आगंतुक सरकार व प्रशासन की खुले दिल से सराहना करते नजर आए। बीके अस्पताल फरीदाबाद से मेला देखने आई नर्सिंग ऑफिसर रीनू ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे पिछले कई वर्षों से मेला देखने आ रही हूं। इस बार आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव 2026 की गलियों में घूमते हुए उनका मन भारतीय संस्कृति के रंगों में रंग गया। चारों ओर गूंजता लोकसंगीत, हस्तशिल्प से सजी दुकानों की कतारें और मिट्टी की सौंधी खुशबू पूरे वातावरण को जीवंत बना रही थी। नर्सिंग आफिसर रीनू बताती हैं कि सजी हुई दुकानों में से उनकी नजर आकर्षक खादी की कुर्ती पर पड़ी। हल्का क्रीम रंग आंखों को सुकून देता था। कपड़े की बनावट प्राकृतिक थी–न अधिक चमकदार, न भड़कीली–बल्कि सादगी में छिपी सुंदरता का प्रतीक।

गले पर की गई रंगीन धागों की बारीक कढ़ाई ने कुर्ती को विशेष आकर्षण दिया। कुर्ती को हाथ में लेते ही खादी की कोमल खुरदरी बनावट ने भारतीय कारीगरों की मेहनत और हुनर का एहसास करा दिया। उन्होंने टाइगर आई पत्थर का नेकलेस भी खरीद किया है। जब वे खादी की कुर्ती के साथ यह नेकलेस पहनती हैं, तो उनका पूरा व्यक्तित्व भारतीय परंपरा और आधुनिक सादगी का सुंदर संगम बन जाता है। यह केवल वस्त्र और आभूषण नहीं, बल्कि भारतीय कला और संस्कृति की जीवंत झलक हैं।

वहीं बहादुरगढ़ से आई शीतल ने मेले को हस्तशिल्प कला का अनूठा संगम बताया। उन्होंने कहा कि यहां देश-विदेश की कला एवं संस्कृति का सुंदर मेल देखने को मिला, जो इसे अपने आप में यादगार बनाता है। नजफगढ़ से मेला घूमने आई मीतू ने कहा कि वर्ष में एक बार लगने वाले इस मेले की यादें पूरे साल मन में बनी रहती हैं। उनके लिए मेले से जरूरी घरेलू सामान की खरीदारी प्राथमिकता रहती है। मीतू के अनुसार इस बार मेले में उपलब्ध सामान पिछले वर्ष की तुलना में कुछ अधिक किफायती है, जिससे खरीदारी का आनंद और बढ़ गया है। कुल मिलाकर, वीकेंड पर सूरजकुंड आत्मनिर्भर शिल्प मेला खरीदारी, संस्कृति और कारीगरों की कला के अद्भुत संगम के रूप में पर्यटकों के लिए यादगार बनता नजर आया।

टी20 वर्ल्ड कप: जेसन होल्डर और शाई होप का कमाल, वेस्ट इंडीज ने नेपाल को रौंदकर सुपर 8 में मारी एंट्री

मुंबई (एजेंसी)। जेसन होल्डर के चार विकेट और कप्तान शाई होप की 44 गेंदों पर 61 रनों की पारी की बदौलत वेस्ट इंडीज ने रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 25वें मैच में नेपाल को नौ विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही कैरेबियन टीम सुपर एट में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। नेपाल आधिकारिक तौर पर सुपर एट की दौड़ से बाहर हो गया है। शाई होप की अगुवाई वाली वेस्ट इंडीज ने 134 रनों के मामूली लक्ष्य को महज 15.2 ओवरों में हासिल कर एशियाई टीम पर आसान जीत दर्ज की।

ब्रैंडन किंग (17 गेंदों पर 22 रन) और होप (44 गेंदों पर 61 रन नाबाद) ने पहले विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। इसके बाद शिमरोन हेटमायर (32 गेंदों पर 46 रन नाबाद) होप के साथ जुड़े और वेस्ट इंडीज को जीत की ओर ले गए। इससे पहले, टॉस जीतकर वेस्ट इंडीज ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और स्पिनर अकील हुसैन से गेंदबाजी की शुरुआत की। कुशल भुरटेल और आसिफ शेख ने नेपाल की ओर से पारी की शुरुआत की। नेपाल के लिए शुरुआत बेहद खराब रही क्योंकि मैच के पहले ही ओवर की पांचवीं गेंद पर हुसैन ने कुशल भुरटेल को एक रन पर आउट कर दिया।

कप्तान रोहित पौडेल चौथे ओवर में मात्र पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए, जब मैथ्यू फोर्डे की गेंद पर पैड पर गेंद लगने से वे एलबीडब्ल्यू हो गए। पावरप्ले में ही नेपाल ने अपना तीसरा विकेट जेसन होल्डर के हाथों गंवा दिया। आसिफ शेख (11) ने शुरुआत में दो चौके लगाए। नेपाल पावरप्ले के अंत तक तीन महत्वपूर्ण विकेट खोकर 22 रन पर ढेर हो गया। पावरप्ले के बाद, शानदार फॉर्म में चल रहे गेंदबाज जेसन होल्डर ने आरिफ शेख को दो रन पर आउट कर दिया। लोकेश बाम के 13 रन पर शमर जोसेफ द्वारा आउट होने के बाद, नेपाल का स्कोर 11वें ओवर में 46-5 था। छठे विकेट के लिए दीपेंद्र सिंह ऐरी और गुलसन झा के बीच 23 रनों की छोटी साझेदारी हुई, जिसके बाद गुलसन 11 रन बनाकर रोस्टन चेस के हाथों क्लीन बोल्ड हो गए। नेपाल की पारी में दीपेंद्र ही एकमात्र सकारात्मक खिलाड़ी रहे। उन्होंने सोमपाल कामी के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी में अहम भूमिका निभाई। यह साझेदारी तब समाप्त हुई जब दीपेंद्र 47 गेंदों में 58 रन बनाकर होल्डर की गेंद पर आउट हो गए। नेपाल ने अपनी पारी 133/8 के स्कोर पर समाप्त की।

शेल्टन ने सेमीफाइनल थ्रिलर में शापोवालोव को हराया, फिट्ज भी फाइनल में पहुंचे

डलास (एजेंसी)। बेन शेल्टन नेक्सो डलास ओपन में अपने साथी लेफ्टी डेनिस शापोवालोव के बड़े टेस्ट से बच निकले, जहां उन्होंने आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सीड वाले खिलाड़ी ने डिफेंडिंग चैंपियन को 4-6, 6-4, 7-6(4) से हराया।

दूसरे सीड वाले शेल्टन ने पूरे मुकाबले में दबाव में शानदार हिम्मत दिखाई। उन्होंने 11 में से 10 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें दूसरे सेट में 2-2 पर क्लच वॉली से एक जरूरी सेव और तीसरे सेट में 5-5 पर एक और सेव शामिल है। इस जीत के साथ, उन्होंने जोड़ी की हेड टू हेड सीरीज में 4-0 की बढ़त बना ली। फाइनल में शेल्टन का मुकाबला टॉप सीड टेलर फिट्ज से होगा। 2018 के बाद से यह टूर्नामेंट में टॉप दो सीड के बीच पहला फाइनल होगा, जब टॉप सीड केविन एंडरसन ने न्यूयॉर्क में दूसरे सीड सैम क्वेरी को हराया था, जहां पहले यह टूर्नामेंट हुआ था।

फिट्ज ने शनिवार को सेमीफाइनल में फिर से वापसी कर रहे मारिन सिलिच का सिलसिला रोक दिया। थोड़े अंतर से तय हुए मैच में, टॉप सीड ने अपना धैर्य बनाए रखा और क्रोएशियाई खिलाड़ी को दो घंटे, दो मिनट के रोमांचक मुकाबले में 7-6(5), 7-6(3) से हराया, और 37 साल के खिलाड़ी को 22 एस से हराया।

फिट्ज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, %बस बहुत शांत सविंग। मुझे लगता है कि जब मैं शांत और रिलैक्स महसूस करता हूं, तो यही सबसे बड़ी बात है, मैं अच्छी सर्व करता हूं।% दोनों खिलाड़ियों ने बिना ब्रेक वाले मैच में बड़ी डिलीवरी से दबदबा बनाया। फिट्ज़ को ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उन्होंने सिलिच के 16 के मुकाबले 22 एस मारे, जिसमें पहले सेट के टाई-ब्रेक में चार शामिल थे।

हालांकि वह अपने पांच ब्रेक-पॉइंट मौकों में से किसी को भी भुना नहीं पाए, लेकिन सर्व पर फिट्ज़ के शांत स्वभाव ने आखिरकार फर्क पैदा किया क्योंकि उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स का 86 प्रतिशत (48/56) जीता। इस जीत के साथ फिट्ज ने जोड़ी की हेड2हेड सीरीज़ में 3-1 की बढ़त बना ली और 2024 में यूएस ओपन के फ़ाइनल में पहुंचने के बाद घरेलू मैदान पर अपने पहले फाइनल में पहुंच गए।

अरुंधति रेड्डी की घातक गेंदबाजी से भारत की जीत, सीरीज में 1-0 की बढ़त

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 रन (DLS नियम) से जीत दर्ज की। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को भारतीय गेंदबाजों ने 133 रन पर समेट दिया, जबकि दो ओवर अभी बाकी थे।

अरुंधति रेड्डी मैच की स्टार रहीं। उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट झटके और अहम मौकों पर ऑस्ट्रेलिया की पारी को झकझोर दिया। रेणुका सिंह और श्री चरणी ने भी सधी हुई गेंदबाजी की। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फील्डिंग में शानदार डाइविंग कैच लेकर टीम का हौसला बढ़ाया।

ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की और तीन ओवर में 22 रन बना लिए, लेकिन बेथ मूनी के आउट होते ही विकेटों का सिलसिला शुरू हो गया। एलिस पेरी और फोएबे लिचफील्ड ने 41 रन की साझेदारी कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने वापसी करते हुए लगातार विकेट चटकाए।

80 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। जॉर्जिया वेयरहैम ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन टीम 133 रन पर सिमट गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अच्छी शुरुआत की। टीम का स्कोर 50/1 था जब सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा।

उपकप्तान स्मृति मंधाना (16*) और जेमिमा रोड्रिग्स (9*) क्रीज पर मौजूद थीं। बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और डकवर्थ-लुइस-स्टर्न नियम के तहत भारत को 21 रन से विजेता घोषित किया गया।

टी20 वर्ल्ड कप: श्रीलंका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

पल्लेकेले (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की टीम मेजबान श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप ग्रुप बी के अहम मुकाबले में किसी भी हाल में जीत हासिल करना रहेगा। ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। पिछले मैच में टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उससे सबक लेते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को शामिल कर सकती है। पिछले मैच में उसके बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करने में असफल रहे थे। अब उसे सुपर आठ में पहुंचने के लिए इस मैच के साथ ही ओमान के खिलाफ मैच में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया अभी ग्रुप बी में अंक तालिका में दो मैचों में दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। जिम्बाब्वे के खिलाफ उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे जिससे टीम 146 रन ही बना पायी और उसे 23 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। कप्तान मिचेल मार्श चोटिल होने के कारण उस मैच में नहीं खेल पाए थे। वहीं स्मिथ को मार्श के कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है उन्हें हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम स्मिथ को चोटिल तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड के बाहर होने के कारण उनकी जगह पर शामिल कर सकती है। स्पिन के खिलाफ स्मिथ का अच्छा रिकॉर्ड और उनके आने से बल्लेबाजी बेहतर होगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह राहत की बात है कि ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस को पिछले मैच में अपने बाएं हाथ पर लगी चोट से उबरकर वापसी के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलिया को इस बार मिचेल स्टार्क, चोटिल पैट कमिंस और हेज़लवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की कमी भी महसूस हो रही है। नाथन एलिस ने अच्छी गेंदबाजी की है पर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस और जेवियर बार्टलेट विफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की इस टीम को भारत में हुए 2023 एकदिवसीय विश्व कप के दौरान भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। तब श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत ने उनके लिए हालात बदल दिए, जिसके बाद उसने फाइनल सहि नौ मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। उस बात से टीम प्रेरणा लेना चाहेगी।

जिम्बाब्वे से हार के बाद कप्तानी संभाल रहे ट्रैविस हेड ने कहा था, हम पहले भी ऐसी स्थिति का सामना कर चुके हैं। हमने 2023 में कुछ हार और चोटों के कारण पहले भी इस तरह की स्थिति देखी है। हमारे पास यहां कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जो 2023 में भारत में खेल चुके हैं और हम इस स्थिति से निपटने और उस रणनीति का उपयोग करने की कोशिश करेंगे। वहीं दूसरी ओर सह-मेजबान श्रीलंका ओमान और आयरलैंड के खिलाफ आसान जीत के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है और उसके हौंसले बढ़ हुए हैं। उससे घरेलू धरती पर खेलने का भी लाभ मिलेगा।

उसे हालांकि स्टार स्पिनर वानिंदु हसरंगा की कमी खलेगी। उनकी अनुपस्थिति में श्रीलंका महेश तीक्षना और बाएं हाथ के स्पिनर दुनीत वेलालेज पर काफी हद तक आधारित रहेगा।

हैरी केन ने अपने करियर का 500वां गोल दागा

बर्लिन। इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन ने शनिवार को बायर्न म्यूनिख की तरफ से दो गोल करके अपने देश और विभिन्न क्लबों की तरफ से 500 गोल करने की उपलब्धि हासिल की। केन ने अपने दो गोल में से एक गोल पेनल्टी पर किया। यह पेनल्टी पर किया गया उनका 100वां था। केन के दो गोल की मदद से बायर्न ने वेर्डर ब्रेमेन पर 3-0 से जीत हासिल करके बुंडेसलिगा में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। केन ने मैच के बाद कहा, ''अच्छा लग रहा है। 500 गोल तक पहुंचना वाकई गर्व की बात है। इसमें बहुत मेहनत और त्याग लगा है, इसलिए यहां तक पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। लेकिन हमेशा की तरह अब अगला मैच ही मायने रखता है।'' केन ने अपना पहला गोल जनवरी 2011 में 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के तीसरी श्रेणी के क्लब लेटन ओरिएंट की तरफ से खेलते हुए शेफील्ड वेडनेसडे के खिलाफ किया था। केन को 500 गोल तक पहुंचने के लिए 743 मैचों की जरूरत पड़ी। इस 32 वर्षीय इस फॉरवर्ड ने इंग्लैंड के लिए 112 मैचों में 78 गोल किए हैं।

मार्करम कप्तान के तौर पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एडेन मार्करम ने टी20 विश्व कप 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 44 गेंदों में नाबाद 88 रनों की पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है।

इसी के साथ ही मार्करम कप्तान के तौर पर सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये। मार्करम ने अपनी इस पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाये। इससे पहले ये रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम था। इससे दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप डी के इस मैच में जीत के लिए मिले 176 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्करम ने इस मैच में केवल 19 गेंदों में ही पचास रन पूरे कर लिए। ये टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे तेज अर्धशतक है। इस प्रकार उन्होंने रोहित शर्मा के क्लब में प्रवेश किया। रोहित ने साल 2024 टी20 विश्व कप में कप्तान के तौर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 गेंदों में ही अपने पचास रन बना दिये थे। तब रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 गेंदों में 92 रनों की पारी खेली, जिसमें सात चौके और आठ छक्के शामिल हैं। सबसे तेज पचास रन बनाने वाले कप्तानों में श्रीलंका के दासुन शनाका भी हैं। शनाका ने भी ओमान के खिलाफ 19 गेंदों में 50 रन बनाये थे। वहीं मोहम्मद अशरफुल ने 20 और महेला जयवर्धने ने 21 गेंद में अर्धशतक लगाये थे।

टी20 विश्वकप : यूएई के खिलाफ हर हाल में जीत हासिल करने उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान की टीम सोमवार को ग्रुप डी के अहम मुकाबले में अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में सुपर ओवर में हार के कारण अब उसे अंतिम आठ के लिए अपनी संभावनएं बरकरार रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं यूएई ने पिछले मैच में कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड छह और चार अंकों लेकर शीर्ष दो स्थानों पर हैं, ऐसे में यूएई को क्वालीफाई करने इस मैच में जीत हासिल करनी होगी। वहीं अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद ये मैच जीतना चाहेगी। उसे अंतिम आठ में जगह बनाने अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया था जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली थी।

कनाडा के खिलाफ यूएई के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि सलामी बल्लेबाज आर्यंश शर्मा के 74 रनों से उसे जीत मिली। इसके अलावा शोएब खान ने 51 रन बनाये। यूएई के बल्लेबाजों के लिए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी का सामना करना कठिन रहेगा। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम कहना है कि हमें सातवें से 15वें और 16वें ओवर तक बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा।

यूएई की गेंदबाजी इकाई ने कनाडा के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट लिए पर रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजई जैसे बल्लेबाजों को रोकना उनके लिए आसान नहीं रहेगा। गुरबाज ने पिछले मैच में 42 गेंदों में 84 रन बनाकर बनाकर आक्रामक बल्लेबाजी की थी जो वह अब भी जार रखना चाहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

अफगानिस्तान- राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उपकप्तान), दरविश रसूली, मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, शाहिदुल्लाह, अब्दुल्ला अहमदजई, फजलहक फारूकी, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, जियाउर रहमान।

यूएई- मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, आर्यांश शर्मा, ध्रुव पराशर, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मयंक कुमार, मुहम्मद अरफान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, हैदर शाह, रोहिद खान, सोहैब खान, सिमरनजीत सिंह।

आईएसएल की शानदार शुरुआत, मोहन बागान ने केरला ब्लास्टर्स को 2-0 से हराया

कोलकाता। गत चैंपियन मोहन बागान सुपर जायंट्स ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सत्र की दमदार शुरुआत करते हुए शनिवार को यहां केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-0 से मात दी। मोहन बागान के लिए पहला गोल 36वें मिनट में जैमी मैकलारेन ने दागा। मैच के अंतिम क्षणों में दूसरे हाफ के इंजरी टाइम (90+6 मिनट) में टॉम एल्ड्रेड ने गोल कर जीत पक्की कर दी। मैकलारेन को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस बीच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बड़ा ऐलान करते हुए पुष्टि की कि इस सत्र से आईएसएल में पहली बार रेलीगेशन प्रणाली लागू की गई है। अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रहने वाली टीम को दूसरे स्तर की इंडियन फुटबॉल लीग (आईएफएल) में भेजा जाएगा, जबकि आईएफएल की चैंपियन टीम को अगले सत्र में आईएसएल में पदोन्नत किया जाएगा। एआईएफएफ के अनुसार, 12वें आईएसएल सीजन की चैंपियन टीम को अगले सत्र में एएफसी चैंपियंस लीग-2 के प्रारंभिक दौर में प्रवेश मिलेगा। दूसरे स्तर की आई-लीग का नाम बदलकर अब इंडियन फुटबॉल लीग कर दिया गया है, जिसकी शुरुआत 21 फरवरी से होगी।

भारत-पाकिस्तान मैच में कायम रही 'No Handshake' की परंपरा, सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान कैप्टन को किया इग्नोर!

कोलंबो (एजेंसी)। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे इस महत्वपूर्ण मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना। हालांकि, इस दौरा भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। इस दौरान दोनों कप्तानों के बीच कोई बात भी नहीं हुई है। यह परंपरा पिछले साल दुबई में हुए एशिया कप से चली आ रही है। भारत ने एशिया कप 2025 से इस रुख का पालन किया है और इसे आयु वर्ग के टूर्नामेंटों के साथ-साथ पुरुष और महिला क्रिकेट में भी लागू किया है।

पहलगाम हत्याकांड और उसके बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर दुबई में आयोजित पिछले साल के एशिया कप के बाद से दोनों पक्षों के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाए हैं। क्या आपको पहले बल्लेबाजी करने में कोई आपत्ति है सवाल के जवाब में टॉस के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि बिलकुल नहीं। हम पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। हमने यहां के नतीजे देखे हैं, और हमने पिछले दो मैचों में पहले बल्लेबाजी की है और दोनों में ही जीत हासिल की है, इसलिए हम कुछ भी बदलना नहीं चाहते।

बड़े मौके को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कहना आसान है कि यह सिर्फ एक और मैच है, लेकिन यह एक बड़ा अवसर है। ये मैच हमेशा बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन साथ ही, आपको यह भी पता होना चाहिए कि आप क्या करना चाहते हैं। यही ज्यादा महत्वपूर्ण है। वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करें, अपने कौशल पर भरोसा रखें, अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और खुद पर भरोसा रखें। (क्या फॉर्म मायने रखता है?) यह खेल आपको बहुत कुछ सिखाता है। किसी भी दिन, अगर आप अच्छा खेल रहे हैं, तो किसी का भी दिन अच्छा हो सकता है। दो बदलाव। अभिषेक शर्मा टीम में आए हैं और कुलदीप यादव अर्शदीप सिंह की जगह आए हैं।

शनिवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा भी इसी तरह सतर्क दिखे। हाथ मिलाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर आगा ने कहा कि हम कल देखेंगे। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खेल भावना सर्वोपरि होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि क्रिकेट सही भावना से खेला जाना चाहिए। मेरी निजी राय मायने नहीं रखती। लेकिन क्रिकेट उसी तरह खेला जाना चाहिए जैसे हमेशा से खेला जाता रहा है। यह उन पर निर्भर है कि वे क्या करते हैं।

हाथ न मिलाने का रुख सबसे पहले पिछले साल के एशिया कप के दौरान विवाद का मुख्य कारण बना, जब सूर्यकुमार के इनकार पर कथित

तौर पर पाकिस्तान और पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट में बने रहने से पहले अपने अगले मैच का बहिष्कार करने की धमकी भी दी थी।

विराट से दो बल्ले पाकर गदगद नजर आये अफगानिस्तान के बल्लेबाज गुरबाज

अहमदाबाद। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से दिल जीतने वाले अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को दो बल्ले उपहार में दिये हैं। वही गुरबाज ने शानदार तोहफा देने के लिए विराट का आभार जताया और कहा भाई आप महान हैं, हर पीढ़ी आपसे प्रेरणा लेती है।' गुरबाज के इस संदेश से साफ है कि वह विराट का बेहद सम्मान करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब कोहली ने अपने बेशकीमती बल्लों को साथी खिलाड़ियों को भेंट किया है। वह आम तौर पर अपने बल्लों को उपहार में देते आये हैं। इसे पहले उन्होंने बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के अपने ही साथ खिलाड़ी रजत पाटीदार और रिंकू सिंह को भी उपहार में बल्ले दिये थे। गुरबाज ने इस मैच में धमाकेदार बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था। इस बल्लेबाज ने जबरदस्त शॉट लगाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बल्लेबाजी के दौरान वह निडर दिखे। इस मैच का परिणाम दो सुपर ओवरों में निकला अफगान टीम को हार जरुर झेलनी पड़ी पर गुरबाज ने दिल जीत लिया।

सोशल मीडिया पर सब सच नहीं होता

साउथ स्टार धनुष के साथ शादी की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। खास बातचीत में मृणाल ने साफ कहा कि सोशल मीडिया और खबरों में चल रही चर्चाओं से अब उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन पहले इन बातों का असर होता था। मृणाल ने कहा, 'यह अंदर की दुनिया है और बाहर की दुनिया का अपना एक अलग परसेप्शन होता है। कभी मुझे पता चलता है कि मेरी शादी होने वाली है, कभी सुनने को मिलता है कि यह होने वाला है, वह होने वाला है। मैं खुद इन बातों से वाकिफ नहीं होती थी। पहले इन सबसे बहुत फर्क पड़ता था, लेकिन अब मैं इन पर हंसती हूं।' उन्होंने आगे कहा कि अगर उन्हें अपनी निजी जिंदगी या किसी खास बात की जानकारी देनी होगी, तो वह खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर साझा करेंगी। मृणाल ठाकुर ने कहा- 'अफवाहें खबर नहीं होतीं। एक पत्रकार के रूप में यह जिम्मेदारी बनती है कि किसी भी खबर को प्रकाशित करने से पहले मुझसे या मेरी टीम से पुष्टि की जाए।' मृणाल ने बताया कि पहले उनकी कोई पीआर टीम नहीं थी, लेकिन बार-बार फैल रही गलतफहमियों और अफवाहों के कारण उन्हें पीआर टीम रखनी पड़ी।
एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि कई फिल्मों से उनका नाम जोड़ दिया जाता है, जबकि उन्हें उन प्रोजेक्ट्स के लिए संपर्क तक नहीं किया गया होता। बाद में खबरें आती हैं कि मैंने ज्यादा फीस मांग ली, इसलिए फिल्म नहीं की। मृणाल ठाकुर ने सवाल उठाते हुए कहा- ''ये बातचीत कहां हो रही है? क्यों हो रही है? किसी कलाकार की छवि खराब क्यों की जा रही है? जब कोई तथाकथित प्रामाणिक अफवाह चल रही हो, तो क्या एक बार संबंधित कलाकार से पूछ लेना जरूरी नहीं समझा जाता?' मृणाल ने वायरल खबरों और भ्रामक शीर्षकों पर भी नाराजगी जताई। मृणाल ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि ध्यान मेरे काम पर हो। मैं किसी और का नाम लेकर आगे बढ़ने में विश्वास नहीं करती। यह मैं नहीं हूं।' उन्होंने बातचीत के अंत में यह भी कहा कि फिल्म और किरदारों पर चर्चा होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि सोशल मीडिया पर जो दिखता है, वह हमेशा सच नहीं होता। धनुष संग शादी की अफवाहों के बीच मृणाल का यह बयान साफ करता है कि वह अपनी निजी जिंदगी से ज्यादा अपने काम के जरिए पहचानी जाना चाहती हैं।

नेटिजेंस के कमेंट को क्रिएटिव रिव्यू मानती हैं शनाया

अभिनेत्री शनाया कपूर ने पिछले साल बॉलीवुड में डेब्यू किया है। अपने डेब्यू के बाद से ही शनाया लगातार ट्रोलर्स के भी निशाने पर बनी हुई हैं। उनकी एक्टिंग से लेकर उनके दुबले-पतले शरीर और जॉ लाइन तक को लेकर उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। अब इन ट्रोलिंग पर शनाया ने प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने बताया कि किस हद तक इस तरह की ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है।

मैं हमेशा कमेंट पढ़ती हूं

बातचीत में शनाया ने अपनी ट्रोलिंग को लेकर कहा कि मैं हमेशा कमेंट सेक्शन पढ़ती हूं। मुझे लगता है कि अलग-अलग तरह के कमेंट होते हैं। अगर यह मेरे काम से जुड़ा है, अगर यह मेरे डांस या परफॉर्मेंस पर फीडबैक है, तो चाहे वह कितना भी नकारात्मक हो, चाहे उसे कठोर लहजे में कहा गया हो, मैं उसे क्रिएटिव फीडबैक के रूप में लेती हूं। इसलिए क्योंकि यह मेरे दर्शकों के प्रति मेरा कर्तव्य है। उनकी बात सुनना मेरा फर्ज है। हो सकता है कि इसे अच्छे तरीके से न कहा गया हो और यह थोड़ा चुभ सकता है, लेकिन यह एक तरह से वास्तविकता का एहसास दिलाता है।

रूप-रंग से जुड़े कमेंट को करती हूं इग्नोर

शनाया ने आगे कहा कि वह इसे ट्रोलिंग नहीं मानतीं, बल्कि क्रिएटिव रिएक्शन की तरह देखती हैं। मैं दर्शकों के लिए यहां हूं। अगर मुझे पता ही नहीं चलेगा कि वे मेरे बारे में कैसा महसूस कर रहे हैं, और मैं उससे भागती रहूंगी, तो मैं ऐसा कैसे कर पाऊंगी? इसीलिए मुझे अक्सर ऐसी बातें सुननी पड़ती हैं। लेकिन अगर यह मेरे रूप-रंग, मेरे चेहरे, या आज मैं कुछ ज्यादा पतली लग रही हूं, या मेरा जॉ लाइन थोड़ी अजीब है, जैसी बातों से संबंधित है, तो मैं निश्चित रूप से उन्हें नजरअंदाज कर देती हूं। लेकिन हां, यह स्वीकार करना बहुत जरूरी है कि कभी-कभी इससे दुख हो सकता है। जब आप इससे भागते हैं, तो यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से थोड़ा मुश्किल हो जाता है।

'तू या मैं' में नजर आएंगी शनाया

वर्कफ्रंट की बात करें तो शनाया ने पिछले साल 'आखों की गुस्ताखियां' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इन दिनों वो अपनी आगामी फिल्म 'तू या मैं' के प्रमोशन में व्यस्त हूं। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म है। इसमें उनके साथ आदर्श गौरव प्रमुख भूमिका में नजर आ रहे हैं। 'तू या मैं' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी और नाना पाटेकर की फिल्म 'ओ रोमियो' से होगा।

इशिका तोरिया को मिला बड़ा मौका, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स ने किया साइन

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की अभिनेत्री और मॉडल इशिका तोरिया ने अपने करियर के सफर में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें इंडस्ट्री की जानी-मानी म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी ने एक्सक्लूसिव तौर पर साइन किया है। यह कदम उनके करियर के लिए बेहद अहम है। यह साइनिंग उनके लिए और कंपनी दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। इशिका तोरिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2015 में एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। इशिका ने दो गुजराती फिल्मों- 'लव नो भवाड़ो' और '3 चक्करम' में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने 80 से ज्यादा गुजराती म्यूजिक वीडियोज में काम किया और कुछ पंजाबी गानों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अलग-अलग क्षेत्रों के काम ने उन्हें इंडस्ट्री में लोकप्रियता दिलाई। इशिका केवल फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज तक सीमित नहीं रही। वह कई रैंप शोज और फैशन इवेंट्स का हिस्सा रह चुकी हैं, जहां उनके स्टाइल को लोगों ने काफी सराहा। उनके पास कला और फैशन दोनों का शानदार अनुभव है। इसी अनुभव के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है।
इशिका के अनुभव और मेहनत को देखते हुए वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के एमडी रत्नाकर कुमार ने कहा, 'इशिका तोरिया में टैलेंट, मेहनत और स्क्रीन प्रेजेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। उन्होंने कम उम्र में इंडस्ट्री में लंबा सफर तय किया है। हमें पूरा भरोसा है कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले वह और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स करेंगी और दर्शकों को पसंद आएंगी।'' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के साथ इस नई साझेदारी पर इशिका ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, ''वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स जैसी बड़ी और प्रतिष्ठित म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव तौर पर जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं रत्नाकर कुमार सर का दिल से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। आने वाले समय में मैं दर्शकों के लिए कुछ खास और यादगार काम लेकर आऊंगी।' इशिका तोरिया के नए म्यूजिक और एंटरटेनमेंट प्रोजेक्ट्स का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नितेश तिवारी की 'रामायण' में राघव जुयाल की हुई एंट्री

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली रणबीर कपूर की 'रामायण' अपनी घोषणा के बाद से ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की कास्ट को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं। अब फिल्म में मेघनाद के रोल के लिए एक नए अभिनेता का नाम सामने आया है।

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है और इसे अब तक की बॉलीवुड की सबसे महंगी फिल्म भी बताया जा रहा है। फिल्म के प्रमुख किरदार तो पहले से ही तय हैं, जिनमें रणबीर कपूर (राम), यश (रावण), साई पल्लवी (सीता), रवि दुबे (लक्ष्मण) और सनी देओल (हनुमान) के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन इसके अलावा फिल्म की कास्ट को लेकर लगातार नए अपडेट सामने आ रहे हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। जानिए मेघनाद के लिए किस एक्टर के नाम की हो रही है चर्चा?

राघव जुयाल की हुई एंट्री

एक रिपोर्ट के मुताबिक, राघव जुयाल अब नितेश तिवारी की मच अवेटेड फिल्म 'रामायण' का हिस्सा बनने जा रहे हैं। रणवीर कपूर, साई पल्लवी और यश इस फिल्म में प्रमुख भूमिकाएं निभाएंगे। वहीं राघव जुयाल इस फिल्म में मेघनाद का किरदार निभा सकते हैं। उनका किरदार 'रामायण पार्ट टू' में नजर आएगा, जो 2027 की दिवाली पर रिलीज होगी।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में पसंद किया गया राघव का किरदार

राघव जुयाल को साल 2023 में आई फिल्म 'किल' में काफी पसंद किया गया था। इसके बाद वो पिछले साल आए आर्यन खान के डेब्यू शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में भी नजर आए थे। इसमें एक बार फिर राघव ने अपनी एक्टिंग से सभी को प्रभावित किया। अब राघव अपने एक्टिंग करियर को एक लेवल ऊपर ले जाने वाले हैं। अब वो साउथ की फिल्म में भी नजर आएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'रामायण' में रणबीर कपूर, यश के अलावा सनी देओल, रवि दुबे और साई पल्लवी जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। फिल्म को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म का म्यूजिक एआर रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हंस जिमर बना रहे हैं। फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी। पहला पार्ट इस दिवाली (2026) में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। वहीं इस फिल्म का दूसरा भाग 2027 दिवाली पर रिलीज होगा।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर की खुलकर बात

अपनी आगामी तथा चर्चित फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बेहद निजी और भावनात्मक पहलू साझा किया है। उत्तर प्रदेश के बलिया में पले-बढ़े सिद्धांत ने अपनी जड़ों, भोजपुरी भाषा और मुंबई आने के बाद भाषा व आत्मविश्वास से जुड़ी उन खामोश चुनौतियों पर खासखबर के साथ खुलकर बात की, जिनका सामना अक्सर बाहर से आने वाले युवाओं को करना पड़ता है। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए सिद्धांत ने बताया कि बलिया में बिताया गया बचपन न सिर्फ उनके उच्चारण बल्कि उनकी सोच का भी अहम हिस्सा रहा है। श को स कहने के बारे में वे कहते हैं, 'घर में बातचीत की भाषा भोजपुरी थी और आज भी मेरी मां भगवान शिव को प्यार से 'संकर भगवान' कहती हैं।' हालांकि सिद्धांत के लिए ये सिर्फ यादें नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव हैं, जो 'दो दीवाने सहर में' की स्क्रिप्ट पढ़ते वक्त और गहरे हो गए थे। खासखबर से बातचीत में सिद्धांत आगे कहते हैं, 'मेरे लिए यह हमेशा से काफी पर्सनल रहा है। जब मैं मुंबई आया, तो पहले पांच-छह साल मेरी हिंदी भी टूटी-फूटी थी। मैं भोजपुरी में ही बात करता था।' उन्होंने यह भी बताया कि भाषा किस तरह धीरे-धीरे आत्मविश्वास को प्रभावित करती है, खासकर तब, जब आप अपनी क्षेत्रीय पहचान के साथ किसी बड़े शहर में कदम रखते हैं। हालांकि टूटी हिंदी में बात करना, धीरे-धीरे अंग्रेजी सीखना और 'स' व 'श' जैसे उच्चारणों को लेकर सजग होना, ये सब ऐसी बातें हैं, जिनसे कई लोग गुजरते हैं, लेकिन कम ही खुलकर बोलते हैं।
'बात यह नहीं है कि आप यूपी, बिहार, राजस्थान, गुजरात, नॉर्थ-ईस्ट या नेपाल से आते हैं, बात ये है कि भाषा की दीवार होती ही है। और जब आप किसी चीज़ को लेकर कॉन्शस हो जाते हैं, तो वह आपके आत्मविश्वास को प्रभावित करती है।' सिद्धांत ने कहा। गौरतलब है कि बेहद भावुकता के साथ कहे अपने दिल की बात को और भी मानवीय बना देती है सिद्धांत की ईमानदारी, जिसमें उन्होंने सीखने और खुद को ढालने की प्रक्रिया को बिना किसी दिखावे के स्वीकार किया।
उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने बिना किसी औपचारिक ट्रेनिंग के, जीवन के अनुभवों से बोलचाल सुधारी। यहां तक कि फर्राटेदार अंग्रेजी बोलनेवाली चेन्नई की लड़की के साथ पहली बार प्यार में पड़ना भी उनके लिए भावनात्मक ही नहीं, भाषाई सीख का भी हिस्सा था। हालांकि उनकी सच्ची और बिना बनावट की बातों ने 'दो दीवाने शहर में' में उनके किरदार को और गहराई दी है, जहां भावनात्मक संवेदनशीलता और सच्चाई कहानी का केंद्र है।
घर की भोजपुरी बातचीत से लेकर हिंदी सिनेमा में अपनी आवाज़ खोजने तक का सिद्धांत का सफर उन अनगिनत युवाओं की कहानी है, जो सपनों के साथ एक शहर से दूसरे शहर आते हैं। दिलचस्प बात ये है कि भाषा, पहचान और आत्मविश्वास पर बिना किसी चमक-दमक के बात करते हुए सिद्धांत चतुर्वेदी एक बार फिर साबित करते हैं कि दर्शक उनसे इसलिए जुड़ाव महसूस करते हैं क्योंकि वे खुद एक ऐसे कलाकार के रूप में उनसे जुड़ते हैं, जिनकी यात्रा बनावटी नहीं, बल्कि सच्ची, मेहनत से अर्जित की गई और गहराई से भारतीय है।

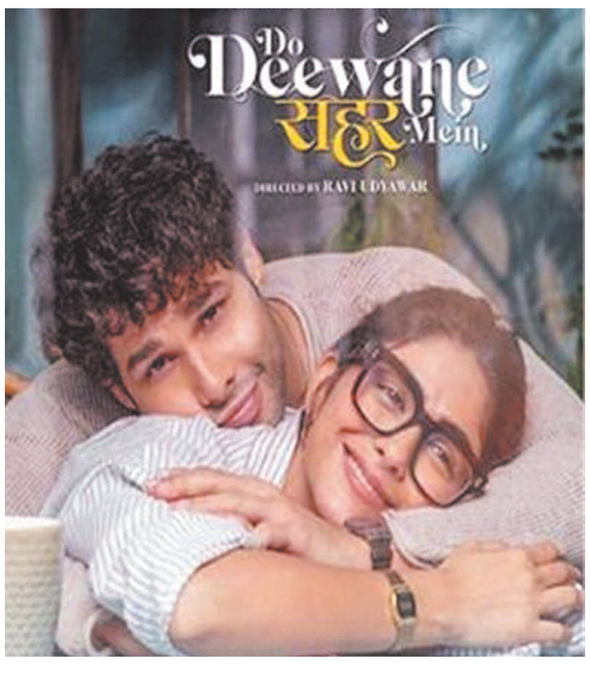

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।